door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, ● www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 337 | गुवाहाटी | रविवार, 7 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हिंसा और भ्रष्टाचार रोकने के लिए ठोस कदम उठाए सरकार : जमात-ए-इस्लामी हिंद पेज 2

एनएचसी ने तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज को दी औपचारिक मान्यता : मुख्यमंत्री पेज 3

अनुशासन समिति की बैठक में कार्रवाई की सिफारिश पेज 5

ओवरटाइम थ्रिलर में स्पेन ने जर्मनी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई पेज 7

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

सुप्रभात

प्रत्येक कार्य अपने समय पर होता है, जैसे पौधों में फूल और फल अपने समय पर आते हैं।
-वृंद

न्यूज गैलरी

आईएमडी ने अगले दो दिनों में भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की

गुवाहाटी। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, असम और मेघालय में 6 जुलाई को भारी (64.5-115.5 मिमी) से लेकर बहुत भारी (115.5-204.4 मिमी) वर्षा होने की संभावना है। 9 और 10 जुलाई को भी इसी प्रकार का मौसम रहने का पूर्वानुमान है तथा इस अवधि के दौरान इन क्षेत्रों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा -शेष पृष्ठ दो पर

जातीय हिंसा के बीच राहुल करेंगे मणिपुर का दौरा

इंफाल। मणिपुर में जारी जतीय हिंसा के बीच कांग्रेस संसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आठ जुलाई को राज्य का दौरा करेंगे। वह राहत शिविरों में जाएंगे और पीसीसी नेताओं से मुलाकात भी करेंगे। बता दें कि मणिपुर में पिछले एक साल से ही जातीय हिंसा जारी है। दरअसल, मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पिछले -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ : शाह ने सीएम को भरपूर मदद का दिया आश्वासन

स्थिति गंभीर, 30 जिलों में अबतक हो गए 24.5 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से शनिवार को असम में बाढ़ की स्थिति को लेकर फोन पर बातचीत की। बातचीत में गृहमंत्री ने मुख्यमंत्री को बाढ़ से निपटने तथा लोगों के राहत एवं पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार द्वारा भरपूर सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में केंद्र सरकार असम की बाढ़ पीड़ित जनता के साथ खड़ी है। उन्हें हर संभव सहायता दी जाएगी। अमित शाह को फोन पर मुख्यमंत्री ने असम में बाढ़ की अद्यतन स्थिति के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। गृह मंत्री को मुख्यमंत्री ने बताया कि अरुणाचल में हुई भारी बारिश के कारण इस बार असम दूसरी बार फिर से बाढ़ की चपेट में आ गया है। मुख्यमंत्री ने गृहमंत्री को असम सरकार द्वारा किए जा रहे राहत और बचाव कार्य संबंधी पूरी जानकारी दी। उल्लेखनीय है के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बीती 1 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा से बाढ़ के सिलसिले में फोन पर बातचीत की थी। उन्होंने मुख्यमंत्री को निर्देश दिया था कि राज्य में बाढ़ पीड़ितों का राहत और बचाव कार्य करने में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। ज्ञातव्य है कि केंद्र सरकार असम में बाढ़ की समस्या को लेकर काफी गंभीर है। केंद्र सरकार लगातार असम की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उधर राज्य में आई बाढ़ के संबंध में कहा गया है कि बाढ़ की स्थिति शनिवार को भी गंभीर रूप से बनी हुई है। असम में 30 जिलों में 24.5 लाख से अधिक लोग बाढ़ से जूझ रहे हैं और कई स्थानों पर प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इस वर्ष बाढ़ में 52 लोगों की मृत्यु हुई तथा भूस्खलन और तूफान के कारण 12 अन्य लोगों की जान चली गई। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गंभीर रूप से प्रभावित डिब्रूगढ़ जिले से लौटने के बाद शुक्रवार देर रात अधिकारियों के साथ बैठक की और राज्य में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिब्रूगढ़ के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद हमने असम आरोग्य निधि-स्वास्थ्य वित्तीय सहायता योजना सहित कई मामलों की समीक्षा की। शर्मा ने यह भी कहा कि उन्होंने अधिकारियों से विशेष रूप से दुर्लभतम मामलों को प्राथमिकता देने और उन लोगों के आवेदनों को प्राथमिकता देने को कहा है जो किसी भी मौजूदा योजना के अंतर्गत कवर नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत करने के बाद उन्होंने उनकी समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को संदेश भेजे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए, सक्रिय शासन प्रभावी सार्वजनिक सेवा की कुंजी है। स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति के बारे में उन्होंने कहा कि बाढ़ से राज्य भर में काफी नुकसान हुआ है, लेकिन *जल जीवन मिशन* योजना *इन कठिन समय में उम्मीद की किरण* बनकर सामने आई है। उन्होंने कहा कि परिवर्तनकारी जल आपूर्ति परियोजना इन कठिन समय में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति कर रही है। उन्होंने कहा कि परिवर्तनकारी जल आपूर्ति परियोजना इन कठिन समय में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति कर रही है। बाढ़ से प्रभावित जिलों में कछार, कामरूप, हैलाकांदी, होजाई, धुबड़ी, नगांव, मोरीगांव, ग्वालपाड़ा, बरपेटा, डिब्रूगढ़, नलबाड़ी, धेमाजी, बंगाईगांव, लखीमपुर, जोरहाट, शोणितपुर, कोकराझाड़, करीमगंज, दक्षिण सालमारा, दरंग और तिनसुकिया शामिल हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के बुलेटिन के अनुसार, इस वर्ष बाढ़, भूस्खलन और तूफान से 64 लोगों की मौत हुई है। इसमें कहा गया है कि धुबड़ी की आबादी 7,75,721, दारंग की आबादी 1,86,108, कछार की आबादी 1,75,231, बरपेटा की आबादी 1,39,399 और मोरीगांव की आबादी 1,46,045 सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में शामिल हैं। कुल मिलाकर 47,103 प्रभावित लोगों ने 612 शिविरों में शरण ली है, जबकि गैर-राहत शिविरों में 4,18,614 लोगों को राहत सामग्री प्रदान की गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

लापता अविनाश के माता-पिता को मुख्यमंत्री ने दिया आश्वासन

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के ज्योतिनगर में गुरुवार की रात स्कूटी से गिरकर नाले के पानी में बह गए अविनाश सरकार का अभी तक पता नहीं चल पाया है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ नालों के बीच अविनाश की तलाश के लिए ऑपरेशन चला रहे हैं। शनिवार की शाम को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा बचाव अभियान का जायजा लेने और बचाव अभियान स्थल से अभागे माता-पिता को घर भेजने के लिए बचाव अभियान स्थल पर पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने अविनाश सरकार के बचाव अभियान स्थल पर पहुंचने पर उनके माता-पिता से भी बात की। उन्होंने दोनों को बचाव अभियान स्थल से घर जाने और आराम करने की सलाह दी। हरलाल सरकार गुरुवार रात से अपने बेटे की तलाश कर रहा है। कभी बचाव दल के साथ तो कभी अकेले तलाश कर रहा है। वह अभी तक घर नहीं गया है। इसलिए -शेष पृष्ठ दो पर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 को संसद में पेश करेंगी बजट

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में मोदी 3.0 का पहला केंद्रीय बजट 2024-25 पेश करेंगी। सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। वे ऐसा करने वाली देश की पहली वित्त मंत्री बन जाएंगी। इससे पहले मोरारजी देसाई ने लगातार छह बार बजट पेश किया था। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को बताया कि संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसकी मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बजट, 2024-25 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया जाएगा। ये केंद्र में प्रधानमंत्री की अगुवाई वाली नई सरकार का पहला पूर्ण बजट होगा। इससे पहले फरवरी में सरकार ने -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में एचआईवी संक्रमण से 47 छात्रों की मौत

राज्य में अब तक 828 पॉजिटिव मिले

त्रिपुरा। त्रिपुरा में एचआईवी से 47 छात्रों की मृत्यु हो गई और अब तक यहां 828 एचआईवी पॉजिटिव छात्र पाए गए हैं। इसकी जानकारी त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (टीएसएसीएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी दी। उन्होंने कहा कि 828 एचआईवी पॉजिटिव में से अभी 572 छात्र अभी भी जीवित हैं। कई छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च अध्ययन के लिए त्रिपुरा से बाहर चले गए हैं। त्रिपुरा एड्स कंट्रोल सोसाइटी ने 220 स्कूलों और 24 कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के ऐसे छात्रों की पहचान की है जो इंजेक्शन से नशीली दवाएं लेते हैं। टीएसएसीएस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इतना ही नहीं, हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग हर दिन एचआईवी के पांच से सात नए मामले सामने आ रहे हैं। त्रिपुरा जर्नलिस्ट यूनियन, वेब मीडिया फोरम और टीएसएसीएस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक मीडिया कार्यशाला को संबोधित करते हुए, टीएसएसीएस के संयुक्त निदेशक ने त्रिपुरा में एचआईवी के समग्र परिदृश्य की एक सांख्यिकीय प्रस्तुति साझा की। उन्होंने बताया कि अब तक, 220 स्कूलों और 24 कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की पहचान की गई है जहां छात्र नशीली दवाओं के दुरुपयोग के आदी पाए गए हैं। हमने राज्य भर में कुल 164 स्वास्थ्य सुविधाओं से डेटा एकत्र किया है। राज्य में सक्रिय -शेष पृष्ठ दो पर

भरभराकर गिरी छह मंजिला इमारत कई लोगों के दबे होने की आशंका

सूरत। गुजरात के सूरत में शनिवार को बिल्डिंग ढहने से बड़ा हादसा हो गया। शहर की एक छह मंजिला बिल्डिंग ढह गई। जानकारी के मुताबिक बिल्डिंग के मलबे में 15 लोगों के दबे होने की आशंका है। स्थानीय अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना सूरत के जीआईडीसी इलाके में हुई। सूचना पाकर मौके पर पुलिस और दमकल विभाग की टीमें पहुंच गई हैं। सभी टीमों द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। सूरत के डीएम सौरभ पारधी ने बताया कि एक महिला को मलबे से जिंदा -शेष पृष्ठ दो पर

एनएच-110 पर भूस्खलन : लगातार बारिश से राष्ट्रीय राजमार्ग ध्वस्त, चेतावनी जारी

सिलीगुड़ी (हि.स.)। उत्तर बंगाल में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। पहाड़ों पर इस तरह की बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग के क्षतिग्रस्त होने से मुसीबत खड़ी हो गई है। शनिवार को एक बार फिर कर्सियांग महकमा के अंतर्गत पगला झोरा में एनएच-110 पर भूस्खलन हुआ है। फिलहाल, मलबा हटाने और यातायात बहाल करने के प्रयास जारी हैं। इस बीच, कालिमपोंग और सिक्किम के बीच भूस्खलन होने के कारण यातायात कई दिनों से बंद है। दार्जिलिंग में भी कई जगहों पर भूस्खलन के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। लगातार बारिश के कारण दार्जिलिंग रेलवे स्टेशन और लेबॉन्ग कार्ट रोड के पास भूस्खलन हुआ है। हिलकार्ट रोड पर पागलाझोरा और -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान के राष्ट्रपति चुने गए डॉ. मसूद पेजेश्कियान

तेहरान (हि.स.)। ईरान में राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव के नतीजे आ गए हैं। सुधारवादी उम्मीदवार डॉ. मसूद पेजेश्कियान ने रूढ़िवादी सईद जलीली को हराकर राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। देश के चुनाव आयोग ने इसकी घोषणा की है। आयोग के प्रवक्ता मोहसिन एस्लामी ने बताया देश में 49.8 प्रतिशत मतदान हुआ। नया राष्ट्रपति चुनने के लिए करीब 30 मिलियन वोट डाले गए। शुक्रवार के चुनाव के बाद अधिकारियों की ओर से पेश -शेष पृष्ठ दो पर

पेपर लीक पर विवाद के बीच एनईईटी-यूजी काउंसलिंग स्थगित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने शनिवार को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) स्थगित कर दी है। नई तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। काउंसलिंग की नई तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। एनईईटी परीक्षा में पेपर लीक सहित अनियमितताओं के आरोपों के बीच यह फैसला लिया गया। 5 जुलाई को, कथित कदाचार को लेकर विवादों से घिरी एनईईटी-यूजी, 2024 परीक्षा को रद्द करने की बढ़ती मांग के बीच, केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि इसे रद्द करना -शेष पृष्ठ दो पर

भारतवंशी लीसा नंदी बनीं ब्रिटेन की नई संस्कृति मंत्री

लंदन। उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के विगन संसदीय क्षेत्र से भारी अंतर के साथ पुनर्निर्वाचित होने वाली भारतीय मूल की लीसा नंदी को शुक्रवार को -शेष पृष्ठ दो पर

अयोध्या में भाजपा को हराकर *इंडिया* ने राम मंदिर आंदोलन को हराया : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि *इंडिया* गठबंधन ने अयोध्या में भाजपा को हराकर राम मंदिर आंदोलन को पराजित कर दिया है जिसे लालकृष्ण आडवाणी ने शुरू किया था। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले चुनाव में भाजपा का गुजरात में भी यही हश्र होगा। गांधी ने कहा कि कांग्रेस को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चुनौती दी गई है और धमकी दी गई है, लेकिन वह गुजरात में भाजपा और नरेंद्र मोदी को उसी तरह हराएगी, जिस तरह उन्हें अयोध्या में हराया गया। गांधी यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। कुछ दिन पहले ही कांग्रेस और भाजपा के बीच गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जीपीसीसी) कार्यालय के बाहर झड़प हुई थी, जब भाजपा के कार्यकर्ता हिंदुओं पर उनकी (गांधी की) टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन करने वहां गए थे। गांधी ने कहा कि उन्होंने (भाजपा) हमें धमकाकर और हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाकर हमें चुनौती दी है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम सब मिलकर उनकी सरकार को उसी तरह तोड़ देंगे जैसे उन्होंने हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाया है। यह लिखकर ले लीजिए कि कांग्रेस गुजरात में चुनाव लड़ेगी और नरेंद्र मोदी एवं भाजपा को गुजरात में हराएगी, जैसा हमने अयोध्या में किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुजरात में जीतेगी और इस राज्य से वह एक नई शुरुआत करेगी। गांधी ने उत्तर प्रदेश की फैजाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा की हार को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। अयोध्या फैजाबाद में -शेष पृष्ठ दो पर

उपराष्ट्रपति ने नए आपराधिक कानूनों पर चिदंबरम के बयान पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को तीन नए आपराधिक कानूनों पर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के विवादित बयान पर आपत्ति जताते हुए इसे अक्षम्य करार दिया। उन्होंने कांग्रेस सांसद से बयान को वापस लेने का आग्रह किया है। केरल के तिरुवनंतपुरम में आज भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी) के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि आज सुबह जब मैंने अखबार पढ़ा, तो एक जानकार व्यक्ति जो इस देश का वित्त मंत्री रहा है, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

हिंसा और भ्रष्टाचार रोकने के लिए ठोस कदम उठाए सरकार : जमात-ए-इस्लामी हिंद

नई दिल्ली (हि.स.)। राजधानी के ओखला स्थित जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के मुख्यालय में आयोजित मासिक संवाददाता सम्मेलन में एनडीए सरकार के गठन, मुसलमानों के खिलाफ हिंसा, नए आपराधिक कानून, नीट (यूजी), नेट (यूजीसी) में अनियमितताओं और सार्वजनिक सुरक्षा पर मीडिया से जमाअत नेताओं ने खुल कर चर्चा की है। मीडिया को संबोधित करते हुए जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर ने कहा कि सरकार को अपना राजधर्म निभाना चाहिए। केंद्र में एनडीए सरकार बनने के बाद से ही मुस्लिम समुदाय के लोगों को बेहद शर्मनाक और अनुचित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। उनके साथ जातिगत भेदभाव का व्यवहार करना और यह सोचकर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना कि मुसलमानों ने बीजेपी को वोट नहीं दिया है अलोकतांत्रिक और अमानवीय है। उन्होंने कहा कि संसदीय चुनाव के नतीजे आते ही देश के विभिन्न क्षेत्रों में सांप्रदायिक तनाव, भीड़ हिंसा और तोड़फोड़ की

गतिविधियां बढ़ने लगी हैं, इस पर सख्ती से रोक लगाई जानी चाहिए। नए आपराधिक कानूनों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह कानून जनहित में होने के बजाय लोगों के खिलाफ हैं। उन्होंने नीट (यूजी) और नेट (यूजीसी) परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं के बारे में बात करते हुए कहा कि एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) इतने बड़े पैमाने पर परीक्षा की व्यवस्था संभालने में सक्षम नहीं है। इसलिए यह परीक्षाएं राज्य सरकारों की निगरानी में आयोजित की जानी चाहिए। छात्र पेपर लीक का आरोप लगा रहे हैं लेकिन सरकार एनटीए के साथ खड़ी दिख रही है। यह छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि देश में जन सुरक्षा की समस्या काफी गंभीर हो गई है। दुर्घटनाओं में वृद्धि के कारण नागरिकों की मृत्यु हो रही है। लेकिन सुरक्षा उपायों को लेकर सरकार की ओर से कोई ठोस योजना नहीं बनाई जा रही है। चाहे रेल दुर्घटनाएं हों, या धार्मिक आयोजनों में भगदड़, या अन्य प्रकार की घटनाएं, सरकार इनसे सीख नहीं लेती और भविष्य में इनसे बचने के लिए कोई ठोस व्यावहारिक कदम नहीं उठाती। लोगों की सुरक्षा हमेशा सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए और अपराध करने वालों को सजा मिलनी चाहिए। जमात के राष्ट्रीय सचिव शफी मदनी ने कहा कि जनता की सुरक्षा करना सरकार की पहली जिम्मेदारी है, लेकिन हम देख रहे हैं कि कैसे विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर बड़ी दुर्घटनाएं हुई हैं लेकिन दुर्घटना के मुख्य दोषी अभी भी गिरफ्त में नहीं हैं। हालांकि कुछ कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है लेकिन सरकार उन लोगों की अनदेखी कर रही है जो असली दोषी हैं।

लोक अभियोजकों की नियुक्ति को लेकर मुख्यमंत्री ने की बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज असम लोक सेवा भवन में सरकारी अधिवक्ताओं, अतिरिक्त लोक अभियोजकों और राज्य न्यायालयों के सहायक लोक अभियोजकों की नियुक्ति के संबंध में चुनाव बोर्ड के अध्यक्षों के साथ बैठक की। उक्त बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न मुद्दों जैसे पूर्ण निर्वाचन बोर्ड का गठन, तीनों पदों के लिए आवेदकों की कुल संख्या, आवेदन प्रक्रिया की प्रक्रिया, नियुक्ति एवं साक्षात्कार की तिथि आदि पर विस्तार से चर्चा कर उचित कार्रवाई करने की सलाह दी।

पीएम ने कीर स्टार्मर को ब्रिटेन का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने और चुनाव में लेबर पार्टी की उल्लेखनीय जीत पर बधाई दी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और स्टार्मर ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को याद किया और भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने और आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों नेताओं ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते को जल्द से जल्द पूरा करने की दिशा में काम करने पर सहमति जताई। ब्रिटेन के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास में भारतीय समुदाय के सकारात्मक योगदान की सराहना करते हुए दोनों पक्षों ने लोगों के बीच घनिष्ठ संबंधों को बढ़ावा देने पर सहमति व्यक्त की।

दो अज्ञात शव

गुवाहाटी। महानगर के जीएमसीएच में दो अज्ञात व्यक्तियों को बीमारी की हालत में भर्ती किया गया। 40 वर्षीय उक्त दोनों व्यक्तियों इलाज के दौरान जीएमसीएच में मौत हो गई। इसकी सूचना भांगागढ़ थाने को दे दी गई है। अब तक किसी ने इसकी पहचान नहीं की है। मृत व्यक्तियों को जीएमसीएच के मुर्दाघर में पहचान के लिए रखा गया है।

मेघालय में चार शव बरामद, हत्या की आशंका

शिलांग (हिंस)। मेघालय के पूर्वी जयतिया हिल्स जिले के एक गांव में शनिवार को चार शव बरामद किये गये। जयंतिया हिल्स पुलिस ने आज बताया कि चारों शव जिले के उम्पलेंग गांव के बाहर जंगल में मिले। मृतकों के हाथ-पैर बंधे हुए थे। उनके गर्दनों पर कटे का निशान था। शनिवार सुबह काम करने गए मजदूरों ने शवों को देखा। पुलिस को संदेह है कि मृतक राज्य के बाहर के थे। हालांकि शवों की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि मृतकों की हत्या घटनास्थल पर की गई या उनकी हत्या कर शवों को उम्पलेंग जंगल में फेंक दिया गया।

इस संकट की घड़ी में हम असम की जनता के साथ है : भाजपा

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और असम सरकार का हर मंत्री जरूरतमंदों को बचाने और उनकी सेवा करने के मिशन पर हैं। शासन के निर्देश पर राज्य के साथ-साथ जिला प्रशासन ने भी हर दिशा में चुस्ती से पुख्ता इंतजाम किए हैं। इसी तरह भाजपा के निर्देश पर असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, प्रदेश पदाधिकारियों के साथ-साथ हर मोर्चा, सेल के साथ-साथ 39 संगठनात्मक जिलों के कार्यकर्ता दिन-रात सेवा भाव से राहत और बचाव अभियान में भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका के साथ-साथ प्रत्येक जिले के प्रभारी मंत्री, विधायक और सांसद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं, ताकि चिकित्सा सहायता प्रदान करने वाली, खाद्य समिति, तटबंध निगरानी, राहत वितरण की देखरेख आदि की जा सके। अध्यक्ष के आदेश के अनुसार, कई सदस्य बराक घाटी के साथ असम के कई बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं। उधर, पिछले कुछ दिनों में विपक्षी नेताओं का एक धड़ा राज्य की जनता की इस भयानक दुर्दशा के दौर में भी सरकार की आलोचना करने के नाम पर *गंभीर राजनीतिक षडयंत्र* में संलिप्त है। भाजपा ने कहा कि इस संकट का सामना करते हुए शिविरों में लोगों के साथ खड़ा होना समय की मांग है। प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं विजय कुमार गुप्ता, रूपम गोस्वामी, रंजन बोरा और प्रणव लहकर को डिब्रूगढ़, गोलाघाट जिलों में आई बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने की जिम्मेदारी सौंपी है।

चोरी की स्कूटी बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के नूनमाटी पुलिस ने चोरी की एक स्कूटी को बरामद किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि थाना क्षेत्र के गणेश मंदिर पथ इलाके से चुराई गई होंडा एक्टिवा स्कूटी एएस-01डीएम-4729) को बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया है कि हाल में ही पान बाजार इलाके से स्कूटी की चोरी हुई थी। पुलिस ने स्कूटी को उसके मालिक को सौंप दिया है। पुलिस पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर चोरी मामले में शामिल वाहन चोर की तलाश कर रही है।

कनाडा में गहराया घोर संकट भारतीय कर रहे लौटने की तैयारी

टोरंटो। कई दशकों से छात्रों के लिए पसंदीदा स्थान रहे देश कनाडा में हालात बेहद खराब चल रहे हैं। भारत से भी बड़ी संख्या में लोग पढ़ाई और रोजगार के लिए कनाडा जाते हैं। कनाडा में काम करने और पढ़ने वालों में एक बड़ी संख्या विदेशियों की है। करीब 4 करोड़ की आबादी वाले कनाडा में फिलहाल 9 लाख से ज्यादा विदेशी छात्र हैं और इनमें छात्रों में भारत की हिस्सेदारी करीब 37 फीसदी है। कनाडा में विदेशियों के आने से घरों की डिमांड बढ़ी है और कीमतों में काफी इजाफा हुआ है। दूसरी ओर रोजगार के मौके बीते कुछ समय में तेजी से घट गए हैं। इसने विदेशियों का कनाडा में गुजारा मुश्किल कर दिया है। इससे कई भारतीय वापस अपने देश को लौटने पर भी विचार करने लगे हैं। कनाडा में रहने का बढ़ता खर्च आप्रवासियों को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। हाल ही में कनाडा में काम करने वाले एक भारतीय टेक एक्सपर्ट ने बताया कि वह भारत में अपने घर लौट रहा है क्योंकि कनाडा में रहना बहुत महंगा हो गया है। उसने कहा कि घर के खर्च की वजह से वह कनाडा में रह नहीं पा रहा है। एक बिस्तर वाले अपार्टमेंट के किराए में ही हर महीने सैलरी का आधा हिस्सा खर्च हो जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा में सालाना प्रवास करने वाले भारतीयों की संख्या में 2013 से 2023 तक 326 प्रतिशत (32,828 से 139,715) की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन अब वहां आवास का संकट गहरा रहा है। इसी हफ्ते आए एंगस रीड इंस्टीट्यूट के एक सर्वे में बताया गया है कि आप्रवासी खासतौर से भारतीय मुद्रास्फीति और आवास के मुद्दों से बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। इस साल की कनाडा जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या भी इस संकट को उजागर करती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में 3,19,000 भारतीय छात्र कनाडा गए थे लेकिन इस साल यानी 2024 में इस संख्या में गिरावट आई है। इस साल बीते साल की तुलना में करीब 35 फीसदी कम छात्र कनाडा जा रहे हैं।

विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र की बैठक 21 जुलाई से

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व धरोहर समिति की 46वें सत्र की बैठक 21 जुलाई से नई दिल्ली में आयोजित होने जा रही है। यह बैठक 31 जुलाई तक चलेगी। इस महत्वपूर्ण बैठक से पहले मंत्रालय ने पीएआरआई (भारत की सार्वजनिक कला) परियोजना की शुरुआत की है। राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी के सहयोग से ललित कला अकादमी द्वारा शुरू की गई इस पहल के लिए देशभर से 100 कलाकार बुलाए गए हैं। विभिन्न लोक कला और समकालीन कला परंपराओं का प्रतिनिधित्व करने वाले कलाकारों ने दिल्ली के प्रमुख स्थानों पर पेंटिंग्स करना शुरू भी कर दिया है। संस्कृति मंत्रालय के मुताबिक कलाकार आगामी कार्यक्रम के लिए सार्वजनिक स्थानों के सौंदर्यीकरण के लिए राष्ट्रीय राजधानी में विभिन्न स्थलों पर काम कर रहे हैं। इनका उत्साह बढ़ाने के लिए लोग भी इस उत्सव में शामिल हो सकते हैं। मंत्रालय ने इन कलाकारों द्वारा बनाई गई कलाकृतियां और चित्रकला के साथ सेल्फी लेकर सोशल मीडिया में पोस्ट करने का आह्वान किया है। सौंदर्यीकरण परियोजना के तहत पारंपरिक कला रूपों के साथ-साथ मूर्तियां, भित्ति चित्र और प्रतिष्ठान बनाए गए हैं। इस कार्यक्रम में महिला कलाकारों ने भी बड़ी संख्या में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है।

पृष्ठ एक का शेष

बाढ़ : शाह ने सीएम...

कामरूप (महानगर), कामरूप और डिब्रूगढ़ जिलों के शहरी इलाकों में भी बाढ़ की खबर है। कैबिनेट मंत्री भी बाढ़ प्रभावित विभिन्न जिलों में डेरा डाले हुए हैं। शर्मा ने कहा कि वह और उनकी पूरी टीम बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए मौके पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोगों की शिकायतें सुनने और उनके मुद्दों को हल करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। ब्रह्मपुत्र नदी निमातीघाट, गुवाहाटी, ग्वालपाड़ा और धुबड़ी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसकी सहायक नदियां चेनीमारी में बूढ़ी दिहिंग, शिवसागर में दिखौ, नांगलमुराघाट में दिसांग, नुमुलीगढ़ में धनसिरी, एनटी रोड क्रॉसिंग पर जिया भराली और कामपुर और धर्मतुल में कोपिली भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। वहीं असम सत्र महासभा ने राज्य भर में बाढ़ की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए सभी निर्धारित कार्यक्रमों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया है। संघ ने पहले ही यह निर्णय ले लिया है और सभी जिला, शाखा सत्र महासभा के साथ-साथ सती राधिका महिला समिति और युवा तीर्थ के सभी कार्यकर्ताओं और सदस्यों से बाढ़ में लोगों की मदद करने का आग्रह किया है। एक संदेश में महासचिव कुसुम कुमार मोहंती ने वर्तमान बाढ़ की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और केंद्र और राज्य सरकार दोनों से असम की बाढ़ समस्या को राष्ट्रीय समस्या मानने का आग्रह किया। इसलिए, बीमारी को फैलने से रोकने के लिए उपाय करना जरूरी है। इसलिए, बीमारी को फैलने से रोकने के लिए उपाय करना जरूरी है। बाढ़ सूखने के बाद लोगों के विभिन्न बीमारियों से पीड़ित होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए इस संबंध में उचित कदम उठाना जरूरी है। इसलिए इस संबंध में उचित कदम उठाना जरूरी है।

लापता अविनाश के ...

मुख्यमंत्री ने भी उसे घर भेजने की कोशिश की। गुवाहाटी के जिला आयुक्त और पुलिस आयुक्त सहित कई आला अधिकारियों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने हरलाल सरकार से यह जानने की कोशिश की कि यह दुखद घटना कैसे हुई। उन्होंने नन्हे अविनाश के माता-पिता दोनों को घर जाकर आराम करने की सलाह दी। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा को बगल में देखकर अविनाश की मां ने कहा कि मुझे मेरा बच्चा चाहिए। मेरे दो बेटे हैं। वह बड़ा था। उसे मेरी जरूरत है। इसी तरह अविनाश के पिता ने भी कहा कि वह अविनाश के साथ ही घर जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने अविनाश के पिता को समझाया कि पुलिस इसकी तलाश कर रही है। हम दो दिन आज और कल का समय चाहते हैं। आप घर में थोड़ा आराम करें। अगर आप इस तरह टूट गए तो दूसरे लड़के को कौन देखेगा? हमें जीवन में थोड़ा बहादुर बनना होगा। भगवान न करे कि लड़का यहां मिले। पिता, माता, दोनों यदि इसी प्रकार अन्य जल त्याग करके रहेंगे तो घर में एक अन्य बच्चों की देखभाल कौन करेगा।

वित्त मंत्री निर्मला...

अंतरिम बजट पेश किया था। ये बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार की प्राथमिकता एवं विकसित भारत की दिशा को तय करेगा। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी, 2024 को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश किया था। उन्होंने लगातार दूसरी बार वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला है। उल्लेखनीय है कि इस साल अप्रैल, मई में लोकसभा चुनाव होने थे, इस लिहाजा सरकार ने एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था। वित्त मंत्री ने अपने बजट में गरीब, महिला, युवा और अन्नदाता यानी किसान पर फोकस किया था। उधर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को भारत सरकार की सिफारिश पर बजट सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को 22 जुलाई से 12 अगस्त तक बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बता दें कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट होगा। इस बजट से देश के सभी वर्गों की कई उम्मीदें जुड़ी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी कह चुकी हैं कि यह बजट कई मामलों में ऐतिहासिक होगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने संसद की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहा था कि प्रमुख सामाजिक और आर्थिक निर्णय बजट का मुख्य आकर्षण होंगे। अप्रैल-जून में हुए लोकसभा चुनावों की वजह से इस साल अंतरिम बजट फरवरी में पेश किया गया था।

त्रिपुरा में एचआईवी ...

मामलों की कुल संख्या पर, टीएसएसीएस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मई 2024 तक, हमने एआरटी (एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी) केंद्रों में 8,729 लोगों को पंजीकृत किया है। एचआईवी से पीड़ित लोगों की कुल संख्या 5,674 है। इनमें से 4,570 पुरुष हैं, जबकि 1,103 महिलाएं हैं। इनमें से केवल एक मरीज ट्रांसजेंडर है। एचआईवी मामलों में वृद्धि के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग को जिम्मेदार ठहराते हुए भट्टाचार्जी ने कहा कि ज्यादातर मामलों में, बच्चे संपन्न परिवारों के होते हैं, जो एचआईवी से संक्रमित पाए जाते हैं। ऐसे परिवार भी हैं जहां माता-पिता दोनों सरकारी सेवा में हैं। जब तक उन्हें एहसास होता है कि उनके बच्चे नशे की चपेट में आ गए हैं, तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

भरभराकर गिरी छह ...

बाहर निकाल लिया गया है और तलाशी एवं बचाव अभियान अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि हमें पता चला है कि इमारत के चार से पांच फ्लैटों में लोग रह रहे थे। एक महिला को बचा लिया गया है। चार से पांच लोगों के अभी भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की मदद से खोज और बचाव अभियान जारी है। हमें उम्मीद है कि अभियान कुछ घंटों में समाप्त हो जाएगा।

एनएच-110 पर भूस्खलन...

महानदी क्षेत्र में भी सड़क में दरार पाई गई हैं, जिससे इस सड़क के भी टूटने का खतरा बना हुआ है। लगातार बारिश के कारण तीस्ता नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। इसके अलावा पहाड़ों में भूस्खलन भी बढ़ रहा है। सड़क टूटने से राष्ट्रीय राजमार्ग-10 कई दिनों से बंद है। सेवक से तीस्ता बाजार तक कम से कम 10 जगह सड़कें ध्वस्त हो गई है। काली झोड़ा, गेलखोला, बिरिकदरा, 29 माइल, लोहा पुल सड़क ध्वस्त हो गयी है। कुछ दिन पहले बिरिकदरा में तीस्ता नदी में आधी सड़क बह गई थी। वहां संबंधित विभाग पहाड़ को काटकर सड़क बनाने का काम कर रहा था। इस बीच सड़क का बचा हुआ आधा हिस्सा भी कल ध्वस्त हो गया। परिणामस्वरूप विभाग को पहाड़ को काटने और पूरी सड़क बनाने में काफी समय लगेगा। ऐसे में कुछ वाहन कालिम्पोंग सहित लावा, गोरुबथान होते हुए सिलीगुड़ी की ओर जा रहे हैं। इसके अलावा, कालीझोरा से एनएचपीसी के बिजली उत्पादन संयंत्र के माध्यम से पोंबू, रेलिकोला के माध्यम से कालिम्पोंग के बीच वाहन चल रहे हैं। हालांकि, सड़क की संकीर्णता के कारण इस मार्ग पर केवल छोटे यात्री वाहनों की अनुमति है। दूसरी ओर, कलिम्पोंग से तीस्ता बाजार, पेशोक रोड से दार्जिलिंग तक की सड़क आधिकारिक तौर पर बंद है। हालांकि, इस दिन कुछ यात्री वाहन जोखिम उठाकर चल रहे थे। मेल्ली और रंगपो के बीच ताजा भूस्खलन के कारण सिक्किम के साथ सड़क संपर्क भी बाधित हो गया है। यात्री बस, छोटे वाहन मेल्ली, कालिम्पोंग, लावा, गोरुबथान से होकर चल रहे हैं। सिक्किम की यात्रा के लिए बनाया गए राष्ट्रीय राजमार्ग 717 पर भी भूस्खलन हुआ है। 9 माइल जहां राष्ट्रीय राजमार्ग- 717 जुड़ता है, वहां भी भूस्खलन के कारण सड़क भी बंद है। मौसम विभाग ने रविवार तक उत्तर बंगाल और सिक्किम में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। परिणामस्वरूप, पहाड़ पर आपदा बढ़ने का खतरा अब भी बना हुआ है।

ईरान के राष्ट्रपति ...

किए गए आंकड़ों में पेजेशकियान को 16.3 मिलियन वोटों के साथ विजेता घोषित किया गया। जलीली को 13.5 मिलियन वोट मिले। ईरान के हार्ट सर्जन और सांसद मसूद पेजेशकियान ने चुनाव प्रचार के दौरान पश्चिम तक पहुंच बनाने का वादा किया। उन्होंने कट्टरपंथी नेता सईद जलीली को हरा दिया। ईरान में पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की राष्ट्रपति पद पर रहते हुए इसी साल मई में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। इब्राहिम रईसी पूर्वी अजरबैजान प्रांत में बांध का उद्घाटन करके लौट रहे थे तभी उनका हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया था। इस हादसे में राष्ट्रपति और विदेश मंत्री समेत नौ लोगों की मौत हुई है। उसके बाद ईरान में नए राष्ट्रपति के लिए चुनाव हुआ था।

पेपर लीक पर विवाद...

प्रतिउत्पादक होगा और गोपनीयता के बड़े पैमाने पर उल्लंघन के सबूत के अभाव में लाखों ईमानदार उम्मीदवारों को गंभीर रूप से खतरे में डाल दिया गया है। एनटीए, जो एमबीबीएस, बीडीएस आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनईईटी परीक्षा आयोजित करता है, और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय कथित तौर पर बड़े पैमाने पर कदाचार को लेकर छात्रों और राजनीतिक दलों द्वारा मीडिया बहस और विरोध प्रदर्शन के केंद्र में रहे हैं। 5 मई को हुई परीक्षा में पेपर लीक से लेकर नकल तक का मामला। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और एनटीए ने उन याचिकाओं का विरोध करते हुए अलग-अलग हलफनामे दायर किए, जिनमें विवादों से घिरी परीक्षा को रद्द करने, दोबारा परीक्षा कराने और इसमें शामिल सभी मुद्दों की अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई है। अपनी प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा कि देश की प्रमुख जांच एजेंसी सीबीआई ने विभिन्न राज्यों में दर्ज मामलों को अपने हाथ में ले लिया है।

उपराष्ट्रपति ने नए ...

लंबे समय तक सांसद रहा है और वर्तमान में राज्यसभा का सदस्य है, उसने मुझे चौंका दिया। क्योंकि मुझे बहुत गर्व था कि इस संसद ने एक महान काम किया है। इसने तीन ऐसे कानून बनाकर हमें औपनिवेशिक विरासत से मुक्त किया है जो युगांतकारी हैं। दंड विधान से हम न्याय विधान तक पहुंच गए हैं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने नाम लिए बिना वरिष्ठ सांसद और पूर्व वित्त मंत्री की उस टिप्पणी की निंदा की, जिसमें सांसद ने कहा था कि नए कानून अंशकालिक लोगों द्वारा बनाए गए हैं। उनके शब्दों को संसद की बुद्धिमत्ता का अक्षम्य अपमान बताते हुए उपराष्ट्रपति ने सवाल किया कि क्या हम संसद में अंशकालिक लोग हैं? वरिष्ठ सांसद द्वारा एक अंग्रेजी दैनिक को दिए गए बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि मेरे पास इस तरह के बयान की निंदा करने के लिए पर्याप्त शब्द नहीं हैं। संसद के एक सदस्य को पार्ट टाइमर के रूप में लेबल किया जाना, आखिरकार यह संसद ही है जो कानून बनाने का अंतिम स्रोत है। चिदंबरम का नाम लिए बिना उपराष्ट्रपति ने उनसे संसद सदस्यों के प्रति उनकी अपमानजनक, बदनामीपूर्ण और अत्यधिक अपमानजनक टिप्पणियों को वापस लेने की अपील करते हुए उन्होंने वरिष्ठ सांसद से अपनी अंतरात्मा के प्रति जवाबदेह होने को कहा। धनखड़ ने चेतावनी देते हुए कहा कि हमें सावधान रहना चाहिए, जब जानकार लोग जानबूझकर आपको गुमराह कर रहे हों। उन्होंने कहा कि अगर आप कुछ अलग कहते हैं, जिस पर आपको विश्वास नहीं है, तो हर कोई आप पर विश्वास करेगा, क्योंकि आप ऊंचे पद पर हैं।

अयोध्या में भाजपा...

ही स्थित है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अयोध्या में भाजपा को हराकर, इंडिया गठबंधन ने राम मंदिर आंदोलन को हरा दिया है, जिसे भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने शुरू किया था। मैं जो कह रहा हूं वह बहुत बड़ी बात है...कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन ने उन्हें अयोध्या में हराया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुजरात में भाजपा को हराएगी क्योंकि मोदी के विजन का गुब्बारा फूट चुका है। उन्होंने सवाल किया कि संसद में मैंने प्रधानमंत्री से पूछा कि क्या वह मनुष्य हैं, क्योंकि उन्होंने खुद कहा था कि वह *नॉन बायोलॉजिकल* हैं और उनका भगवान से सीधा संबंध है। अगर आप सीधे भगवान से जुड़े हैं, तो अयोध्या में आप कैसे हार गए? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि बाकी सभी लोग जैविक हैं- गुजरात के लोग, गांधीजी, भारत के किसान और मजदूर जैविक हैं, जबकि नरेंद्र मोदी अजैविक हैं...जो व्यक्ति सोचता है कि वह अजैविक है और देश के लोग जैविक हैं, वह गुजरात के लोगों को कैसे दर्शन दे सकता है, जब वह मजदूरों और हीरा उद्योग में काम करने वालों का दर्द नहीं समझ सकता? उन्होंने कहा कि आपने कभी सोचा भी नहीं होगा कि भाजपा अयोध्या में हार जाएगी या मोदी वाराणसी में मामूली अंतर से जीतेंगे। वे गुजरात में भी उसी तरह पराजित होने जा रहे हैं, जैसे अयोध्या में हुए। आपको बस इतना करना है कि गुजरात के लोगों से कहें कि वे डरें नहीं। फैजाबाद से नवनिर्वाचित सांसद अवधेश प्रसाद का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मोदी अयोध्या से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन उनके सर्वेक्षकों ने उन्हें ऐसा न करने की सलाह दी और कहा कि इससे उनकी हार होगी और उनका राजनीतिक करियर खत्म हो जाएगा। गांधी ने कहा कि इसीलिए उन्होंने (मोदी) अयोध्या से चुनाव नहीं लड़ा, बल्कि वाराणसी से चुनाव लड़ा। वाराणसी में हमने कुछ गलतियां कीं, वरना हम उन्हें वहां भी हरा सकते थे।

भारतवंशी लीसा नंदी ...

प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने संस्कृति, मीडिया एवं खेल मंत्री नियुक्त किया। चुनावों में लेबर पार्टी की शानदारी जीत के बाद स्टॉर्मर ने तुरंत अपनी शीर्ष टीम की घोषणा करते हुए नई सरकार के कामकाज की शुरुआत कर दी। लीसा (44) जनवरी 2020 में लेबर पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए चुनावों में अंतिम तीन दावेदारों में से एक थीं, जहां उनका सामना स्टॉर्मर और एक अन्य उम्मीदवार से था। लीसा तब से स्टॉर्मर की अध्यक्षता में काम कर रही हैं। लीसा, ऋषि सुनक के नेतृत्व वाले कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार में संस्कृति मंत्रालय का कार्यभार संभाल रही लूसी फ्रेजर की जगह लेंगी। ब्रिटेन के संसदीय चुनावों में कंजर्वेटिव पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा है।

आईएमडी ने अगले दो ...

होने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग के मासिक पूर्वानुमान के अनुसार, जुलाई में पूरे देश में सामान्य से अधिक वर्षा होने की उम्मीद है। जबकि भारत के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, असम के कुछ भागों सहित पूर्वोत्तर भारत तथा उत्तर-पश्चिम, पूर्व और दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से कम वर्षा हो सकती है। मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली के नवीनतम पूर्वानुमानों से मानसून ऋतु के उत्तरार्ध के दौरान ला नीना स्थितियों के संभावित विकास का संकेत मिलता है। इस बीच, असम और मेघालय में अधिकारी आईएमडी के रेड अलर्ट के बाद प्रतिकूल मौसम की स्थिति के लिए तैयारी कर रहे हैं।

जातीय हिंसा के ...

साल तीन मई को पर्वतीय जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

एनएचसी ने तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज को दी औपचारिक मान्यता : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज को औपचारिक रूप से मान्यता दी है। मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया के जरिए कहा कि असम के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी! राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज को औपचारिक रूप से मान्यता दी है और हर साल 100 सीटों पर स्नातक प्रवेश को मंजूरी दी है। साथ ही असम में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर अब 13 हो गई है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए असम की चिकित्सा प्रणाली में सभी का मेरा हार्दिक आभार। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी हार्दिक धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन करके हमारी प्रशंसा की है। यह मील का पत्थर हमारे राज्य में स्वास्थ्य सेवा शिक्षा और सेवाओं के विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीएम ने असम मॉडल ग्राम योजना क्रियान्वयन की समीक्षा की

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने जनता भवन में एक बैठक में असम मॉडल ग्राम योजना के तहत कार्यान्वित किए जा रहे कार्यों में अब तक हुई प्रगति की शनिवार को समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने इस योजना के तहत चयनित गांवों में कार्यान्वयन के लिए शुरू की गई योजनाओं की संख्या, जारी की गई धनराशि के सापेक्ष कार्य की प्रगति, पूर्ण योजनाओं आदि का जाएजा लेकर असम मॉडल ग्राम योजना को और अधिक प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा सर्च ऑपरेशन और एरिया डोमिनेशन चलाया गया। सर्च ऑपरेशन के दौरान कांगपोकपी जिले से एक .303 राइफल मैगजीन के साथ, दो 12 बोर सिंगल बैरल राइफल, दो एचई-36 हैंड ग्रेनेड, एक 9 मिमी पिस्तौल मैगजीन के साथ, सात लाइव राउंड गोलाबारूद, दो ब्लैंक राउंड गोलाबारूद, एक मोटोरोला सेट एंटीना के साथ बरामद किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे केंद्रीय मंत्री पबित्र मार्घेरिटा

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा ने मार्घेरिटा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। शनिवार को उन्होंने राहत शिविरों का दौरा किया और आवश्यक राहत वस्तुओं के वितरण का जाएजा लिया। इस दौरान मंत्री के साथ मार्घेरिटा के विधायक भास्कर शर्मा, विभागीय अधिकारी, मंडल अधिकारी और मार्घेरिटा के कार्यकारी मजिस्ट्रेट के साथ ही कई अन्य विभागीय वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। उन्होंने राहत से शिविरों में पर्याप्त राहत सामग्री उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने दौरे की शुरुआत माकुमकिल्ला और मार्घेरिटा टाउन में स्थित राहत शिविरों के निरीक्षण से की। वहां मंत्री ने पानी की बोतलें, मोमबत्तियां, मच्छर भगाने वाली सामग्री के साथ ही निःशुल्क राहत सामग्रियों के वितरण का जाएजा लिया। उल्लेखनीय की बूढ़ीदिहिंग और तिराप नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ढाई मीटर से अधिक ऊपर बहने के कारण पूरे मार्घेरिटा और तिनसुकिया क्षेत्र में भीषण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षा कर्मियों द्वारा सुरक्षित निकाल लिया गया। राहत और बचाव कार्य दिन-रात चलाए जा रहे हैं। हालांकि, बुढ़ीदिहिंग और तिराप नदियों के जलस्तर में शनिवार से लगातार आ रही गिरावट से क्षेत्र में बाढ़ का पानी कम हुआ है। मंत्री मार्घेरिटा ने राहत और बचाव के साथ ही लोगों के पुनर्वास में कोई कमी नहीं रखने का विभागीय अधिकारियों को आज निर्देश दिया।

एसएसबी के महानिरीक्षक सुधीर वर्मा ने रंगिया सेक्टर मुख्यालय का किया दौरा

रंगिया (विभास)। सशस्त्र सीमा बल के सीमांत मुख्यालय, गुवाहाटी के महानिरीक्षक सुधीर वर्मा ने शनिवार को सशस्त्र सीमा बल सेक्टर मुख्यालय, रंगिया का आधिकारिक दौरा किया। इस मौके पर मुख्यालय के उप महानिरीक्षक राजीव राणा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, साथ ही उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने सेक्टर मुख्यालय में पौधारोपण किया। इसके पश्चात उप महानिरीक्षक द्वारा भारत-भूटान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सेक्टर और इसकी इकाइयों की उपलब्धियों और गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी गई। महानिरीक्षक ने

सैनिक सम्मेलन को संबोधित किया और सेक्टर मुख्यालय और इसकी इकाई कमांडेंट के सभी रैंकों के साथ बातचीत की।

भाजपा मुख्यालय में मनाई गई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 123वीं जयंती

इटानगर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), अरुणाचल प्रदेश ने आज प्रदेश भाजपा मुख्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 123वीं जयंती मनाई, कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश भाजपा एसटी मोर्चा ने आयोजित किया था। ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री ओजिंग तासिंग ने संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया और डॉ. मुखर्जी के जीवन और उपलब्धियों के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने उन्हें एक प्रमुख दार्शनिक, असाधारण संगठनकर्ता और एक ऐसा नेता बताया जो अपनी अटूट व्यक्तिगत निष्ठा के लिए जाना जाता है। डॉ. मुखर्जी भारतीय लोकतंत्र के पहले विपक्ष के नेता थे और अनुच्छेद 370 को राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा मानते हुए इसका प्रबल विरोध किया था। तासिंग ने इस बात पर प्रकाश डाला कि डॉ. मुखर्जी का प्रसिद्ध बयान दोहरे प्रावधानों के खिलाफ उनके दृढ़ रुख पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव नालोंग मिज़े और कई अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने अपनी-अपनी बातें रखीं।

रंगिया में पक्की पुल की निर्माण व अर्द्ध सप्ताह बाजार के बुनियादी ढांचे की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन

रंगिया (विभास)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता के गृह निर्वाचन क्षेत्र में भवेश कलिता मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए रंगिया के लोगों ने प्रतिवाद किया। रंगिया में कई पार्टी संगठन व लोगो ने बांस व लकड़ी के पुल के पक्के निर्माण और अर्द्ध सप्ताह बाजार के बुनियादी ढांचे की मांग को लेकर कड़ा विरोध-प्रदर्शन किया गया। प्रतिवादकारियो ने कई आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों के बावजूद सरकार और प्रशासन ने लोगों की तरफ ध्यान नहीं दिया का आरोप लगाया है। यह जीर्ण-शीर्ण पुल रंगिया शहर के केंद्र में स्थित है। इस अति महत्वपूर्ण पुल ने आम आदमी के परेशानी का सबब बन गया है। लंबे समय से लोग बेहद खतरनाक तरीके से आते-जाते रहे हैं। रंगिया में साप्ताहिक मार्केट में जाने वाले इस पुल पर अब किसी भी वक्त भयानक हादसा हो सकता है लेकिन अब विभागीय अधिकारी इसका इंतजार करते दिख रहे हैं। बारम्बार की गई अपील के

बाद न तो रंगिया नगरपालिका और न ही लोक निर्माण विभाग ने कोई संज्ञान लिया है। छोटे व्यापारियों का आरोप है कि स्थानीय विधायक भवेश कलिता भी इस मामले पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिसके चलते आज मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन और रंगिया नागरिक मंच की पहल पर धरना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंगिया पौरसभा के खिलाफ व्यापारी मुखर हो गए हैं।

सीआरपीएफ के 152वें बटालियन ने लगाए 900 पौधे

ग्वालपाड़ा। जिले के शास्त्री नगर स्थित 152 बटालियन सीआरपीएफ की ओर से शुक्रवार को भारत सरकार के वृहद पौधारोपण 2024 के तहत 900 पौधारोपण किया गया। श्री बाबू साहब, उप कमांडेंट 152 बटालियन के नेतृत्व में अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों द्वारा वृहद स्तर पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। सीआरपीएफ सूत्रों के अनुसार विशेष मेधा अभियान के अवसर पर बाबू साहब के नेतृत्व में ग्वालपाड़ा के हेइला पखरी, राक्षणी इलाकों में पौधारोपण कर प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एकता

की महत्वपूर्ण मिसाल कायम की। सीआरपीएफ 152वीं वाहिनी के जवानों एवं ग्वालपाड़ा वन विभाग के अधिकारी श्री तेजस एम. स्वामी, ढ्ढ्स्नह्, ष्ठह्स्नह्न, श्री जीपी सिंघा, रेंज वन अधिकारी, एवं जवानों के सहयोग से कुल 900 पौधारोपण किया गया। पौधारोपण के उपरांत बाबू साहब ने बताया कि 152 वीं वाहिनी सीआरपीएफ द्वारा आने वाले समय में भी वृहद स्तर परपौधारोपण किया जाएगा।

बाढ़ के पानी में डूबकर शिशु की मौत

शोणितपुर (हिंस)। ढेकियाजुली में बाढ़ के पानी में डूबकर एक शिशु की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि ढेकियाजुली राजस्व मंडल के अंतर्गत मोरबेलसिरी गांव में डूबने की घटना की सूचना मिली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक बच्ची अपने घर के पिछवाड़े में डूब गई। यह इलाका ब्रह्मपुत्र नद के पानी से डूबा हुआ है। स्थानीय लोगों ने शव को बरामद किया। बच्ची की पहचान हिमानी विश्वास (05) के रूप में हुई है, जो मोरबेलसिरी गांव की रहने वाली थी। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। इस सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई।

रंगिया : नागरिक मंच ने विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

रंगिया (विभास)। रंगिया नागरिक मंच के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को रंगिया समंडल, लोक निर्माण विभाग के कार्यवाहक अभियंता को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन पत्र में रंगिया की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए उल्लेख किया कि पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के परिणामस्वरूप, रंगिया नगर का अति व्यस्तम एनटी पथ और नूरुद्दीन पथ से होते हुए परिवहन निगम के बस अड्डे तक यात्रा करना बहुत खतरनाक हो गया है। उन्होंने बताया कि उनकी जानकारी के अनुसार एनटी रोड पर प्रस्तावित ओवरब्रिज की दुहाई देकर पथ की मरम्मत नहीं की जा रही है और रंगिया के व्यस्तम नूरुद्दीन पथ का भी यही हाल है। मंच द्वारा मांग की है कि दोनों सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराकर इसे

आवागमन के लायक बनाया जाए। वहीं दूसरी ओर मंच द्वारा ज्ञापन पत्र में बताया गया कि 127 डी रंगिया-भूटान रोड पुलिस प्वाइंट नंबर दो से साप्ताहिक बाजार को जोड़ने वाली काठ की पुल को किसी भी समय बाढ़ बहाकर ले जा सकती है। बताया गया कि लकड़ी की यह जर्जर पुल मनुष्य या अन्य प्राणियों के आवागमन के लिए बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं है। उन्होंने मांग की कि स्थानीय निवासियों की सुविधार्थ एनटी रोड, नूरुद्दीन पथ और रंगिया पुलिस प्वाइंट नंबर दो से साप्ताहिक बाजार को जोड़ने वाली काठ की पुल की तुरंत मरम्मत कराई जाए। साथ ही पुल को पक्का कर इसका स्थाई हल निकाला जाए।

ब्रह्मपुत्र में लापता बाढ़ राहत टीम को एसडीआरएफ ने बचाया

गुवाहाटी (हिंस)। माजुली में लापता हुई बाढ़ राहत टीम को एसडीआरएफ ने बचा लिया है। एसडीआरएफ ने शनिवार को बताया कि ब्रह्मपुत्र पार करते हुए बाढ़ राहत टीम की फेरी जोरहाट के करीब ब्रह्मपुत्र में रास्ता भूलकर कार्तिक चापरी और भेकाली की बालू में जाकर फंस गई। टीम बाढ़ राहत प्रदान करने गई थी। एसडीआरएफ की टीम ने खबर मिलते ही अभियान चलाकर सात सदस्यीय टीम के सदस्यों को बचा लिया। हालांकि, एसडीआरएफ की टीम फेरी को बचाने में नाकाम रही। टीम पशु चिकित्सा विभाग से बाढ़ राहत के लिए ली गई थी। टीम में संजीत सैकिया, विपुल हजारिका, अजय दास आदि शामिल थे। उनके साथ दो फील्ड असिस्टेंट, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी समेत सात लोग लापता थे। सभी को सकुशल बचा लिया गया।

होजाई के रयकाटा में वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन की जागरूकता सभा आयोजित

होजाई (निसं)। वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन की होजाई शाखा के तत्वाधान में जागरूकता सभा व सदस्यता अभियान शुक्रवार को होजाई जिले के रयकाटा में आयोजित हुआ। इस दौरान शाखा के अध्यक्ष सुरेंद्रनाथ डेका, कार्यकारी अध्यक्ष दयाल चंद्र क्रो, शाखा के सचिव विनोद बिहारी सिंह, जिला सचिव अनूप कुमार बरठाकुर, सदस्य जोगेन दत्त, सर्वेश्वर पाठक, नारायण बरुवा उपस्थित थे। सबसे पहले पूरे दल ने रयकाटा आंचल में बाढ़ से प्रभावित लोगों से बातचीत की। उनका हाल-चाल जाना। इसके बाद वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन की होजाई शाखा के सौजन्य से एक जागरूकता सभा का आयोजन किया गया। उक्त सभा समाजसेवी विनय वर्मन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस दौरान जिला सचिव अनूप कुमार बरबैठाकुर ने अपने संबोधन में वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि सभी वरिष्ठ नागरिकों को एक छत्रछाया में लेकर हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वह अपने जीवन का बाकी समय आत्म

सम्मान व मर्यादा के साथ जिए। इस दौरान उपस्थित 34 वरिष्ठ नागरिकों ने वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन की होजाई शाखा की सदस्यता ली। वही, रैकता अंचल के समाजसेवी विनय बर्मन शहीद सदस्यों द्वारा दुर्गा मंदिर के प्रांगण में होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के सौजन्य में एक कृष्णा चूड़ा की पुली का रोपण किया गया। गौरतलब है, हालही में होजाई जिले के मोराझाड़, नीलबागान, काकी आदि जगहों में भी वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन की शाखा का गठन किया गया है।

तीन दिवसीय भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन

गुवाहाटी। स्थानीय मालीगांव स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में विराजमान प्रतिमाओं का तीन दिवसीय भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन डॉ. देवेंद्र कीर्ति भटारक स्वामी (हुम्मचा) के मंगल सानिध्य में तथा प्रतिष्ठाचार्य ब्र. जिनेश जैन के कुशल निर्देशन में हो रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मालीगांव चैत्यालय प्रांगण से श्रीजी को रजत पालकी में बैठा कर घट यात्रा निकाली गई, जो नगर की परिक्रमा कर वापस आयोजन स्थान में पहुंची। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के लोग शोभायात्रा में सम्मिलित हुए। शोभायात्रा के पश्चात झूमर मल-पन्नालाल गंगवाल परिवार ने झंडारोहण कर वैदी प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ किया। तत्पश्चात घट यात्रा में शामिल महिलाओं ने मंडप की शुद्धि कि एवं विमल कु.- मीना देवी काला परिवार ने मंगल कलश की स्थापना की तथा प्रकाश चंद- चंदा देवी पहाड़िया परिवार ने अखंड मंगल दीप

प्रज्वलित किया। तत्पश्चात वास्तु विधान पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठाचार्य ने धर्म सभा को संबोधित कर वैदी प्रतिष्ठा महोत्सव के महत्व को समझाया। इसके बाद संगीतकार हरीश एंड पार्टी (राजस्थान) द्वारा भक्ति संगीत की स्वर लहरियों के साथ यागमंडल विधान पूजन प्रारंभ हुई। संध्या श्रीजी की आरती के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सौधर्म इंद्रः साकेत कु.- आंचल देवी गंगवाल, कुबेर इंद्रः मनोज कु.-रिंकू देवी पहाड़िया, यज्ञ नायक इंद्रः सुरेंद्र कु.- सुनीता देवी सेठी, ईशान इंद्रः पवन कु.-ममता देवी कासलीवाल सनत कु.इंद्र : निर्मल कु.- सुनीता देवी बड़जात्या, महेंद्र इंद्र:अमित कु.- रंजीता देवी गंगवाल,चक्रवर्ती इंद्रः संजय कु.- ज्योति देवी बड़जात्या आदि सौभाग्यशाली पात्र को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का समापन सोमवार को माता की गोद भराई एवं विश्व शांति महायज्ञ के पश्चात होगा। यह जानकारी मंदिर के प्रमुख जैन रूप शारदा देवी बगड़ा एवं सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

कोकराझाड़ महकमा प्राथमिक शिक्षक सम्मेलन का 32वां द्वि-वार्षिक अधिवेशन संपन्न

कोकराझार (विभास)। कोकराझाड़ महकमा प्राथमिक शिक्षक सम्मेलन का 32वां द्वि-वार्षिक अधिवेशन जिले के फकीराग्राम स्थित हायर सेकेंडरी विद्यालय में आयोजित किया गया। इस अधिवेशन के पहले कार्यक्रम के अनुसार संगठन का झंडा फहराया गया। इसके बाद ज्योतिष नाथ ने शहीद वेदी पर दीप प्रज्ज्वलित किया। वहीं शरीफ हसन ने शहीद वेदी पर फूल-माला अर्पण किया। इसके बाद सभी शिक्षकों ने शहीद वेदी पर फूल अर्पण किया। वहीं एक प्रतिनिधि सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में कोकराझाड़ महकमा प्राथमिक

शिक्षक सम्मेलन की पुरानी समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया गया। इस समिति के अध्यक्ष के रूप में मीनू बाला ब्रह्म, कार्यकारी अध्यक्ष गोबिंदो बर्मन, उपाध्यक्ष राजेश मंडल, बिंदेश्वरी ब्रहम, सचिव जाकिर हुसैन, कोषाध्य अभिजीत नारायण देब को लेकर एक शक्तिशाली समिति गठन किया गया। इस सभा में अवकाश प्राप्त शिक्षकों को सम्मानित किया गाय।

संपादकीय

संसद में आक्रामकता

संसद सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो चुका है। राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव दोनों सदनों में पारित किया जा चुका है, लेकिन जो देश के मानस को निरंतर मथता रहेगा, वह संसदीय अराजकता है। यह बिल्कुल भी अपेक्षित और स्वीकार्य नहीं है। संसद में अब नियमों का उल्लंघन किया जाता रहेगा। राज्यसभा में उपराष्ट्रपति एवं सभापति और लोकसभा में स्पीकर मर्यादा और गरिमा की बार-बार दुहाई देना छोड़ दें, क्योंकि अब संसद में हिट एंड रन की राजनीति खेली जाएगी। अब संसद में भी प्रधानमंत्री एवं लोकसभा सदन के नेता का भाषण बाधित किया जाता रहेगा। यह मोदी-विरोधी रवैया और रणनीति है। आखिर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संसदीय अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के संदर्भ में अंतिम जवाब कौन देगा? राष्ट्रपति ने किसे प्रधानमंत्री बनाया है? अधिकांश जनादेश किसके पक्ष में है? विपक्ष के मुताबिक, सत्ता पक्ष के एक-तिहाई जनादेश के मायने क्या हैं? विपक्ष को इन सवालों के जवाब कौन समझाएगा? हमने लोकसभा में यह पहली बार देखा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर दो घंटे 13 मिनट का भाषण दिया और उतनी ही देर तक विपक्ष के सांसद 'वेल' में और अपनी सीटों पर खड़े होकर नारेबाजी करते रहे। कमाल की क्षमता है भई! नारों का शोर इतना कानफाड़ था कि प्रधानमंत्री के भाषण के तथ्य और भाषा बाधित हो रहे थे। अंततः प्रधानमंत्री को हैडफोन लगाना पड़ा, ताकि उन्हें शोर कम सुनाई दे और वह अपनी बात आराम से कह सकें। प्रधानमंत्री उस माहौल में भी बोलते रहे, क्योंकि मुख्यमंत्री रहते हुए और 2019 के प्रधानमंत्री काल में वह ऐसे शोर और विरोध को झेलते रहे हैं। सांसदों को नेता प्रतिपक्ष ने 'वेल' में जाने को उकसाया और बाध्य किया, लिहाजा स्पीकर ओम बिरला को उन्हें चेतावनी देनी पड़ी। क्या नेता प्रतिपक्ष की यह भूमिका भी होती है? जब नेता विपक्ष सदन में बोल रहे थे, तब प्रधानमंत्री समेत कुछ मंत्रियों ने उनके कथन पर आपत्ति जरूर की थी। सत्ता पक्ष ने शोर मचा कर, नारेबाजी करते हुए बाधित नहीं किया था। स्पीकर ने नियमों और संसदीय अनुशासन के बार-बार पाठ पढ़ाए, लेकिन विपक्षी सांसद आमादा थे कि प्रधानमंत्री के भाषण में रोड़े जरूर अटकाने हैं। यही उनकी राजनीतिक रणनीति थी, एजेंडा था। राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर संसद की चर्चा के जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी करीब एक घंटा 50 मिनट तक बोले। विपक्ष उच्च सदन में भी नारेबाजी कर हंगामा मचाता रहा। चूंकि वहां विपक्ष की संख्या कम है और सांसद भी कम थे, लिहाजा विपक्ष ने संविधान के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष को न बोलने देने के मुद्दे पर बहिर्गमन की रणनीति अख्तियार की। सभी ने वॉकआउट किया। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने टिप्पणी की कि देश देख रहा है कि झूठ फैलाने वालों में सत्य सुनने की ताकत नहीं है। उन्होंने जो सवाल उठाए, उनके जवाब सुनने की हिम्मत नहीं थी, लिहाजा मैदान छोड़ कर बाहर चले गए। बेशक संसद में अवरोध पैदा किए जाते रहे हैं, विपक्ष ने नारेबाजी-पोस्टरबाजी समेत हंगामे भी किए हैं, भाजपा ने भी विपक्ष के तौर पर कई-कई दिन तक सदन की कार्यवाही नहीं चलने दी, लेकिन प्रधानमंत्री के संभाषण या बयान को कभी अवरुद्ध नहीं किया गया। विपक्ष का मौजूदा अवरोध और विरोध ही संसद की अराजकता है। संसदीय नियम भी हैं और परंपरा भी रही है कि प्रधानमंत्री भाषण देते हैं, तो कमोबेश उसे सुना जाता है। नेता प्रतिपक्ष हस्तक्षेप कर अपनी बात कह सकते हैं, लेकिन यह दृश्य अराजकता और असंसदीय आचरण ही लगा कि प्रधानमंत्री बोलते रहे और विपक्षी सांसद नारेबाजी का शोर मचाते रहे। हालांकि प्रधानमंत्री ने सभी जरूरी मुद्दों पर अपनी बात कही। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने हिंदू पर जो कहा था अथवा महापुरुषों के चित्र दिखाए थे, उनसे संबंधित सभी बयानों को स्पीकर ने रिकॉर्ड से निकलवा दिया, फिर भी प्रधानमंत्री ने हिंदुत्व पर अपनी बात कही। उन्होंने नेता विपक्ष के संबंध में 'बचकाना हरकत' और 'बालक-बुद्धि' सरीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कई तंज किए।

राज्यसभा में उपराष्ट्र पति एवं सभापति और लोकसभा में स्पीकर मर्यादा और गरिमा की बार-बार दुहाई देना छोड़ दें, क्योंकि अब संसद में हिट एंड रन की राजनीति खेली जाएगी। अब संसद में भी प्रधानमंत्री एवं लोकसभा सदन के नेता का भाषण बाधित किया जाता रहेगा। यह मोदी-विरोधी रवैया और रणनीति है। आखिर देश की राष्ट्र पति द्रौपदी मुर्मू के संसदीय अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के संदर्भ में अंतिम जवाब कौन देगा? राष्ट्र पति ने किसे प्रधानमंत्री बनाया है? अधिकांश जनादेश किसके पक्ष में है? विपक्ष के मुताबिक, सत्ता पक्ष के एक-तिहाई जनादेश के मायने क्या हैं? विपक्ष को इन सवालों के जवाब कौन समझाएगा? हमने लोकसभा में यह पहली बार देखा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर दो घंटे 13 मिनट का भाषण दिया और उतनी ही देर तक विपक्ष के सांसद 'वेल' में और अपनी सीटों पर खड़े होकर नारेबाजी करते रहे। कमाल की क्षमता है भई! नारों का शोर इतना कानफाड़ था कि प्रधानमंत्री के भाषण के तथ्य और भाषा बाधित हो रहे थे। अंतत: प्रधानमंत्री को हैडफोन लगाना पड़ा, ताकि उन्हें शोर कम सुनाई दे और वह अपनी बात आराम से कह सकें।

विदेशी संस्थागत निवेशक भी अब से लगभग 6 माह बाद भारत में अपना निवेश वापिस लाएंगे

आगामी पांच वर्षों में भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण हो सकता है दुगना

प्रहलाद सबनानी

आज खुदरा निवेशक, देशी संस्थागत निवेशक, म्यूचूअल फंड, आदि द्वारा भारतीय शेयर बाजार में औसतन लगभग 1500 करोड़ रुपए के शेयरों की रोजाना खरीद हो रही है अर्थात प्रतिदिन 1500 करोड़ रुपए भारतीय शेयर बाजार में डाले जा रहे हैं, जिसके चलते ही विदेशी निवेशक संस्थानों द्वारा भारतीय शेयर बाजार में शेयर बेचे जाने के बावजूद भारतीय शेयर बाजार पर कुछ बहुत बड़ा असर होता दिखाई नहीं दे रहा है अर्थात अब भारतीय निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार को अपने दम पर सम्हाल लिया है।

पूरे विश्व में विभिन्न देशों के शेयर (पूंजी) बाजार में निवेश करने के सम्बंध में विदेशी निवेशक संस्थानों को सलाह देने वाले एक बड़े संस्थान मोर्गन स्टैनली ने हाल ही में अनुमान लगाया है कि बहुत सम्भव है कि भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे आने वाले 5 वर्षों में दुगना हो जाए। आज खुदरा निवेशक, देशी संस्थागत निवेशक, म्यूचूअल फंड, आदि द्वारा भारतीय शेयर बाजार में औसतन लगभग 1500 करोड़ रुपए के शेयरों की रोजाना खरीद हो रही है अर्थात प्रतिदिन 1500 करोड़ रुपए भारतीय शेयर बाजार में डाले जा रहे हैं, जिसके चलते ही विदेशी निवेशक संस्थानों द्वारा भारतीय शेयर बाजार में शेयर बेचे जाने के बावजूद भारतीय शेयर बाजार पर कुछ बहुत बड़ा असर होता दिखाई नहीं दे रहा है अर्थात अब भारतीय निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार को अपने दम पर सम्हाल लिया है। अब, जब भारत में कई कम्पनियां अपनी विस्तार योजनाओं को लागू करने जा रही हैं अतः इन कम्पनियों के द्वारा नए शेयर, बाजार में जारी किए जाएंगे, जिन्हें खरीदने के लिए विदेशी संस्थागत निवेशक भी अब से लगभग 6 माह बाद भारत में अपना निवेश वापिस लाएंगे। वर्ष 1993 से वर्ष 2013 तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार खरीद कर रहे थे और देशी संस्थागत निवेशक लगातार बेच रहे थे। वर्ष 2014 के बाद से यह सब बदलने लगा क्योंकि 2015 में पहली बार केंद्र सरकार ने प्रॉविडेंट फंड को शेयर बाजार में निवेश की अनुमति दी थी। इसी प्रकार की अनुमति 401K योजना के अंतर्गत अमेरिका ने अपने प्रॉविडेंट फंड संस्थानों को वर्ष 1980 में दी थी। इसके बाद अमेरिकी शेयर बाजार में उच्छाल देखने को मिला था। अमेरिका में आज संस्थागत निवेशकों का लगभग 40 प्रतिशत भाग शेयर बाजार में निवेश रहता है जबकि भारत में यह अभी भी बहुत कम अर्थात लगभग 8 प्रतिशत ही है, इस प्रकार भारत को अभी तो बहुत आगे जाना है। भारत में पिछले वर्ष घरेलू बचत 70,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास थी, उसमें से केवल 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर ही शेयर बाजार में निवेश किया गया था, को कुल घरेलू बचत का 10 प्रतिशत से भी कम है। 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का

सोने में निवेश होता है एवं लगभग 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रॉपर्टी में निवेश होता है। इस प्रकार, भारत में शेयर बाजार में निवेश बढ़ाने की बहुत अधिक गुंजाइश मौजूद है। साथ भी अब वैश्विक स्तर पर भी यह सिद्ध हो चुका है कि सामान्यतः शेयर बाजार में सबसे अधिक रिटर्न मिलता है, अतः भारत के शेयर बाजार में निवेश आगे आने वाले समय में तेजी से बढ़ने वाला है। यदि भारत में कुल बचत का 10 प्रतिशत से आगे बढ़कर 15 प्रतिशत निवेश शेयर बाजार में होने लगे तो केवल देशी निवेशकों का निवेश ही बढ़कर 7,500 से 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा। पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता (मैक्रो स्टेबिलिटी) पर बहुत ध्यान दिया है। इससे मुद्रा स्फीति की दर में होने वाला उतार चढ़ाव नियंत्रण में रहा है और अब यह सबसे न्यूनतम स्तर पर आ गया है। 70-75 वर्षों में ऐसी स्थिरता देखी नहीं गई है। इसके कारण शेयर बाजार में, रुपए की बाजार कीमत में एवं बांड मार्केट आदि में सब जगह उतार चढ़ाव थम गया है और इन सभी क्षेत्रों में स्थिरता आ गई है। पिछले 10 वर्षों में भारत में बहुत अधिक आर्थिक सुधार कार्यक्रम भी लागू किए गए हैं। अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता के आने से अब हम सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर का सही तरीके से अनुमान लगा सकते हैं, जिसके चलते हमारी आय और व्यय के अनुमान भी लगभग सही स्तर पर हो पा रहे हैं। इससे, विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है और विदेशी निवेशक भी भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। भारत के नागरिकों की जेब में सीधे पैसे डालने के बजाय सामाजिक आधारभूत संरचना खड़ी करने में सरकार ने नागरिकों की भरपूर मदद की है, जैसे 3 करोड़ से अधिक मकान बनाकर गरीब वर्ग को उपलब्ध कराए गए हैं, ग्रामीण इलाकों सहित घरों में पानी उपलब्ध कराया गया है, 95 प्रतिशत से अधिक गावों में बिजली उपलब्ध कराई गई है, लगभग सभी घरों में गैस उपलब्ध कराई गई है, सड़क मार्ग विकसित किए गए हैं, गांवों में स्वास्थ्य केंद्र खोले गए, आदि। इससे नागरिकों के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ और वे कम बीमार पड़ने लगे हैं, उनके स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्चे कम हुए हैं और उनकी बचत बढ़ी है। कुल मिलाकर यह साइकल बहुत अच्छे तरीके से अपना काम करता दिखाई दे रहा है। सामाजिक आधारभूत संरचना खड़ी करने का कार्य अभी भी जारी है और तेज गति से आगे बढ़ रहा है। इस सबका यह परिणाम भी हुआ है कि देश में पिछले 10 वर्षों में गरीबी आधी रह गई है और इसे शून्य पर लाने के लिए कार्य जारी है। भारत में उत्पादों के निर्माण में आधारभूत संरचना से सबंधित लागत बहुत अधिक है। इस पर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 14 प्रतिशत भाग खर्च हो जाता है, इससे उत्पादों की लागत तुलनात्मक रूप से बहुत बढ़ जाती है। हालांकि भारत के आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए बहुत काम हुआ है। नए नए रोड बने हैं, रेल्वे का विकास हुआ है (रेल्वे का लगभग 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है), पोर्ट का विकास हो रहा है, नए एयर पोर्ट का निर्माण हुआ है, परंतु अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष हैं। वर्ष 2015 ने भारत में मालगड़ियां औसतन लगभग 20 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलती थीं। अब वह औसतन लगभग 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं और आगे आने वाले 5 वर्षों में यह और आगे बढ़कर औसतन लगभग 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने लगेगी। इससे सबसे बड़ा लाभ उद्योग जगत को हुआ है, क्योंकि अब उन्हें कच्चे माल का स्टॉक कम मात्रा में रखना पड़ता है और इससे अंततः उनके द्वारा निर्मित उत्पाद की लागत कम हुई है। पिछले कई वर्षों से विनिर्माण क्षेत्र की सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी लगातार कम होती रही थे अथवा स्थिर हो गई थी।

दृष्टि कोण

भारत-विरोधी दुष्प्रचार में अब 'युनिसेफ' का भी मिथ्याचार

विश्व भर की रिलीजियस-मजहबी शक्तियों के लिए चुनौती बना अकेला धर्मधारी देश भारत जब से अंग्रेजी उपनिवेशवादी कांग्रेसी शासन से मुक्त हो कर हिन्दुत्ववादी भाजपाई सत्ता से शासित हो रहा है तब से इसके विरुद्ध भिन्न-भिन्न वैश्विक दुष्प्रचारों की आंधी से चल पडी है। अभी हाल ही में सम्पन्न हुए भारतीय लोकतंत्र के सबसे बडे आम-चुनाव के दौरान ऐसे सुनियोजित दुष्प्रचारों की एक से एक बानगी देखने-सुनने को मिली। विभिन्न चर्च-मिशनरिज संस्थाओं से ले कर उनके पालक-पोषक रिलीजियस राज्यों एवं उन सबके सरगना संयुक्त राज्य अमेरिका तथा उसके विभिन्न आयोगों-एजेन्सियों और मीडिया संस्थानों द्वारा तब भाजपा-मोदी को भारत की केन्द्रीय सत्ता से बेदखल करने के बावत धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों व मुसलमानों की सुरक्षा पर खतरा के एक से एक आख्यान (नैरेटिव) रच-गढ कर उन्हें प्रचारित करते हुए भारतीय लोकतंत्र की शुद्धता पर ही सवाल उठाये जाते रहे। अंतर्राष्ट्रीय रिलीजियस-मजहबी स्वतंत्रता के नाम पर धर्मोन्मूलन का गुप्त एजेण्डा क्रियान्वित करने हेतु कायम 'यु एस कमिशन फॉर इण्टरनेशनल रिलीजियस फ्रिडम' ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भारत को धार्मिक स्वतंत्रता का हनन-कर्ता घोषित कर पाकिस्तान-अफगानिस्तान-मिस्र-सिरिया आदि सर्वाधिक चिन्ताजनक देशों की सूची में शामिल कर रखा है, तो उसके तुरंत बाद उसी आधार पर वहां के एक मीडिया संस्थान 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने 'मोदी के भारत में मुसलमान असुरक्षित हैं' ऐसा आख्यान गढ कर झूठी रिपोर्ट प्रकाशित कर दी। फिर उन दोनों रिपोर्टों के आधार पर अमेरिका अपनी चौधराहट सिद्ध करने के लिए उपदेश बखारने लगा। इसी तरह से 'हेनरी लुईस फाउण्डेशन' एवं 'जॉर्ज सोरोस ओपेन सोसाइटी फाउण्डेशन' तथा 'बर्कले सेंटर फॉर रिलिजन व पीस एंड वर्ल्ड अफेयर्स' (Berkley Center for Religion, Peace and World Affairs) एवं 'कार्नेगी इंडॉमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस' (Carnegie Endowment for International Peace) और 'ह्यूमन राइट्स वाच' व 'साउथ एशिया एक्टिविस्ट कलेक्टिव' (एसएएसएसी) नामक चर्च-मिशनरिज संस्थाओं ने अपने भारी-भरकम संसाधनों व भारतीय एजेण्टों के सहारे संविधान व आरक्षण विषयक झूठी-झूठी सूचनाओं-सम्भावनाओं का दुष्प्रचार कर चुनावी जनमत को भारत की राष्ट्रवादी धर्मधारी सत्ता के विरुद्ध नकारात्मक दिशा में उलझाने और उपनिवेशवादी रिलीजियस-मजहबी कांग्रेसी गिरोह के पक्ष में रिझाने का काम युद्ध-स्तर पर किया। इस कडी में अब एक नया नाम जुड गया है। खबर है कि भारत-विरोधी दुष्प्रचार की इस मुहिम में अब 'युनिसेफ' नामक उस अंतर्राष्ट्रीय संस्था का मिथ्याचार भी शामिल हो गया है, जो संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध है। मालूम हो कि 'युनाइटेड स्टेट्स इण्टरनेशनल चिल्ड्रेन्स इमर्जेन्सी फण्ड' (युनिसेफ) का काम विभिन्न देशों में उपेक्षित-पीडित असहाय कुपोषित बच्चों व माताओं को सहयोग-संरक्षण प्रदान करना है। किन्तु यह संस्था अपने इस घोषित कार्यक्रम की आड में तत्सम्बन्धी अध्ययन-सर्वेक्षण के नाम पर रिलीजन की वैश्विक ऑथोरिटी, अर्थात 'वेटिकन सिटी' एवं तमाम रिलीजियस-मजहबी शक्तियों के सरगना– अमेरिका और वेटिकन सिटी से निर्धारित-संचालित उनकी धर्म-विरोधी गतिविधियों को अनुकूलतायें प्रदान करता रहा है। दरअसल युएनओ जो है, वही अमेरिकी हाथों का खिलौना मात्र है, जिसका स्थाई पर्यवेक्षक हुआ करता है- 'वेटिकन सिटी' अर्थात क्रिश्चियनिटी की सर्वोच्च ऑथोरिटी। तो ऐसे में जाहिर है- जब 'युएनओ' ही निष्पक्षता व धार्मिकता से दूर है, तो युनिसेफ की क्या बिसात है! बहरहाल इस युनिसेफ द्वारा जारी की गई रिपोर्ट पर आप गौर करें तो पाएंगे कि युएनओ की यह संस्था भी 'युएससीआईआरसी' नामक अमेरिकी आयोग की राह अख्तियार कर ली है और भारत के विरुद्ध अनर्गल प्रलाप करती दिख रही है। बकौल युनिसेफ रिपोर्ट- "भारत में लोगों को खाने के लिए भोजन नहीं मिल रहा, लोग भूख से मर रहे हैं, कुपोषण के शिकार बच्चों की संख्या करोड़ों में है। बच्चे पौष्टिक आहार नहीं मिलने से कई तरह की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। यूनिसेफ की यह ''चाइल्ड फूड पॉवर्टी'' रिपोर्ट इसी माह जून 2024 में प्रकाशित हुई है, जिसमें कहा गया है कि "भारत में 'बाल खाद्य गरीबी' (बाल खाद्य गरीबी) की समस्या इतनी गम्भीर है कि वह दुनिया के सबसे खराब देशों में शामिल है, जबकि स्थिति पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका जैसे देशों की स्थिति भारत से बेहतर है।

कुछ अलग

रिटायर्ड नसों में बहता खून

सरकारी नौकरी में सेवाविस्तार का पारितोषिक, अनुभव की फरियाद, सरकार की निरंतरता में अवसरवाद या राजनीतिक कॉडर में पलती कार्यसंस्कृति का मुखौटा है। सवाल बहुत होंगे, जिनके अर्थों में से एक की अर्थी उठाए हिमाचल प्रदेश कनिष्ठ अभियंता संघ बिलासपुर में सेवा विस्तार की मुखालफत करता दिखा। तर्क एक दृष्टि से बाजिव हो सकते हैं कि पीडब्ल्यूडी महकमा क्यों अपनी सेवाओं में रिटायर हो चुके आला अधिकारियों की खाल ओढ़े घूम रहा है। कनिष्ठ अभियंता संघ के प्रदेशाध्यक्ष राजीव कुमार व महासचिव विजय धीमान ने सेवा विस्तार के पन्ने पलटते हुए केवल एक विभाग की नसों में बहते रिटायर्ड खून का जिक्र किया है, लेकिन यह रोग हर महकमे की कसौटी में तर्कशील और कत्तव्यपरायण बना हुआ है। जाहिर है सेवा विस्तार के खिलाफ और पक्ष में सिर्फ तर्क और उम्मीदों का अंतर भर है। तर्क यह कि योजनाओं-परियोजनाओं की किश्तियों पर जो वर्षों से सवार थे, उन्हें ही मालूम होगा कि मकसद और मंजिल के रास्ते क्या हैं। यह निजी क्षेत्र में भी होता है, लेकिन फर्क यह कि उनकी विरासत वेतन का पैकेज नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत का सिलसिला होता है। मेहनत सरकारी क्षेत्र में भी खूब होती है मगर जज्बे, जमीर और जहनियत का सारा नूर और निष्कर्ष प्राइवेट सेक्टर को आगे बढ़ाता है। इसलिए सरकारी क्षेत्र में सेवा विस्तार के फलक पर सियासी प्रश्रय की दरकार बढ़ जाती है। यानी पूजे वही जाते हैं जो सत्ता के कारक बन पाते हैं। दूसरी ओर सेवाविस्तार के खिलाफ कई स्वाभाविक व पेट के सवाल खड़े हो जाते हैं। बेरोजगारों की उम्मीदें, पदोन्नति के सलीके और व्यवस्थागत ईमानदारी के तरीके वहां फरियादी हैं कि महकमों में आगे बढने और संभावनाओं में बसने के रास्ते साफ हों। यहां कांटे को काटने का एकतरफा फैसला नहीं हो सकता, लेकिन पद्धति को सुधारने के लिए इंसाफ का तराजू स्थापित करना होगा। कर्मचारी मांगों के प्रति यूं तो हिमाचल की हर सत्ता ने प्रदेश के आर्थिक कद से कहीं अधिक प्रोत्साहन दिया या सहानुभूतिपूर्वक फैसले लिए, लेकिन विसंगतियों को कभी पूरी तरह ठोका या रोका नहीं गया, नतीजतन कर्मठता एक रेला किसी को फलदायक, तो किसी को पेला गया। कई अहम फैसले सरकार के बड़े, अव्यवहारिक या खर्चीले फैसलों की दरी के नीचे धकेल दिए जाते हैं। मसलन सेवा विस्तार के पांव में बेडियां लगाने के बजाय अपनों को चुनने के अवसर बन जाते हैं, लेकिन अगर यही विस्तार पारदर्शी तरीके व इसकी अहमियत में दर्ज हों तो बात दूसरी है। वैसे भी प्रदेश के ढाई लाख के करीब कर्मचारी व अधिकारियों के मुकाबले बारह लाख के करीब बेरोजगारों के पक्ष में भी तो नीतियां ऐसी हों कि नौकरी का पहला अवसर उनकी संख्या कम करे। दूसरी ओर कर्मचारी संगठनों को भी एकजुटता से राज्य की तकदीर, राज्य की तस्वीर बनाने के लिए अपने हठ व ढर्रे छोडने पडेंगे। नीतियों के तहत स्थानांतरण और बजट के अनुपात में फर्ज की भी पैमाइश हो तो मालूम हो जाएगा कि यह प्रदेश कितना काबिल है। पहले ही राज्य के आकार से कहीं ज्यादा और बूते से बाहर कर्मचारी हैं, दूसरी ओर उधार लेकर कर्मचारियों की पगार और पेंशन का जुगाड़ करना पड़ रहा है। ऐसे में आर्थिक मोर्चे पर प्रदेश को कुछ बुनियादी, कुछ वित्तीय और कुछ प्रशासनिक सुधार करते हुए, अनावश्यक फिजूलखर्चियों पर अंकुश लगाना ही पड़ेगा। खास तौर पर सत्ता के दम पर अधिकारियों के जरूरत से ज्यादा सेवा विस्तार तथा सरकार में लाभार्थी पद घटाने पड़ेंगे।

देश दुनीया से

विपक्ष के ईमानदार कर्तव्य से लोकतंत्र को मजबूती

'लोकतांत्रिक परंपराओं का तकाज़ा है कि वे नेता प्रतिपक्ष की बात ध्यान से सुनें', सोमवार को लोकसभा में दिये गये राहुल गांधी के भाषण को इस दृष्टि से देखा-सुना जायेगा। पिछले दस साल में हमारी लोकसभा में प्रतिपक्ष तो था पर नियमों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष किसी को नहीं चुना जा सकता था। चुनावों में भाजपा को मिली सफलता इतनी 'भारी' थी कि विपक्ष की आवाज़ दब-सी गयी थी। इस बार ऐसा नहीं है। इस बार मतदाता ने भाजपा को सदन में सबसे बड़ा दल तो चुना है, पर उसे इतनी ताकत नहीं दी कि वह अपनी मनमानी कर सके। आज देश में एक मिली-जुली सरकार है। बैसाखियों के सहारे चल रही है भाजपा के नेतृत्व वाली यह सरकार।

आखिरकार लोकसभा में विपक्ष के नेता की आवाज़ सुनाई दे ही गयी। ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी पहले संसद में बोले नहीं, पर तब वह कांग्रेस के एक नेता के रूप में ही बोलते थे, पर अब उनकी आवाज़ पूरे विपक्ष की आवाज़ मानी जायेगी और जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा है, 'लोकतांत्रिक परंपराओं का तकाज़ा है कि वे नेता प्रतिपक्ष की बात ध्यान से सुनें', सोमवार को लोकसभा में दिये गये राहुल गांधी के भाषण को इस दृष्टि से देखा-सुना जायेगा। पिछले दस साल में हमारी लोकसभा में प्रतिपक्ष तो था पर नियमों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष किसी को नहीं चुना जा सकता था। चुनावों में भाजपा को मिली सफलता इतनी 'भारी' थी कि विपक्ष की आवाज़ दब-सी गयी थी। इस बार ऐसा नहीं है। इस बार मतदाता ने भाजपा को सदन में सबसे बड़ा दल तो चुना है, पर उसे इतनी ताकत नहीं दी कि वह अपनी मनमानी कर सके। आज देश में एक मिली-जुली सरकार है। बैसाखियों के सहारे चल रही है भाजपा के नेतृत्व वाली यह सरकार। भाजपा को सबसे बड़े दल के रूप में चुनने वाले मतदाता ने कांग्रेस को इतनी सीटें दे दी हैं कि उसका नेता सदन में प्रतिपक्ष के नेता के रूप में काम कर सके। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का यह संतुलन जनतंत्र को मज़बूत बनाने वाला है। उम्मीद की जानी चाहिए कि भाजपा का नेतृत्व स्थिति को समझते हुए जनतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप कार्य करेगा और विपक्ष से भी यही उम्मीद की जाती है कि वह सकारात्मक भूमिका निभायेगा। संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के संदर्भ में हुई बहस से देश को ऐसी ही उम्मीद जगी है। चूंकि लोकसभा में दस साल बाद कोई नेता प्रतिपक्ष बना है इसलिए यह उत्सुकता होनी स्वाभाविक थी कि राहुल गांधी सदन में क्या और कैसे कहते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने अपनी बात लगभग सौ मिनट में पूरी की और ऐसे अनेक मुद्दे उठाये जो मतदाता को सीधा प्रभावित करते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्होंने जिस तरह से अपनी बात रखी उसने बहुतों को प्रभावित किया होगा। यह कतई ज़रूरी नहीं है कि उनकी बातों से सहमत हुआ ही जाये, पर इतना तो स्वीकारना ही होगा कि राहुल गांधी ने अपनी बात मज़बूती से देश के सामने रखी है और जो मुद्दे उन्होंने उठाये हैं वह सत्तारूढ़ गठबंधन को बेचैन करने वाले हैं। यह बात अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं है कि राहुल गांधी के वक्तव्य के दौरान प्रधानमंत्री और गृहमंत्री समेत छह केंद्रीय मंत्रियों को खड़े होकर प्रतिवाद करने के लिए बाध्य होना पड़ा। यही नहीं, गृहमंत्री ने तो स्पीकर महोदय से यह कहना भी ज़रूरी समझा कि वे विपक्ष के प्रति अधिक उदार हो रहे हैं! यह भी मांग की जा रही है कि नेता प्रतिपक्ष के भाषण में कही गयी बातों को सत्यापित कराया जाये। नेता प्रतिपक्ष ने अपने भाषण में कोई नया मुद्दा नहीं उठाया था कुल मिलाकर वही बातें की थीं जो विपक्ष अर्से से कहता आ रहा है। मसलन, मणिपुर में हुआ घटनाक्रम और प्रधानमंत्री का साल भर तक वहां न जाना, नीट परीक्षा में हुआ घोटाला, सेना में भर्ती की अग्निवीर योजना, किसानों को न्यूनतम दरों की गारंटी का सवाल, महंगाई और बेरोज़गारी जैसे मुद्दों पर पहले भी आरोप लगते रहे हैं। लेकिन नेता विपक्ष के रूप में राहुल गांधी ने सदन में जिस तरह इन मुद्दों को सामने रखा है वह सत्तारूढ़ पक्ष को विचलित करने वाला था। लेकिन एक मुद्दा जो सर्वाधिक विवादास्पद हो सकता है,

वह धर्म को लेकर था। जब उन्होंने यह कहा कि 'स्वयं को हिंदू कहने वाले ही हिंसा की बात करते हैं' तो प्रधानमंत्री समेत समूचे सत्तारूढ़ पक्ष को जैसे कुछ कहने का आधार मिल गया। गृहमंत्री ने तो इस कथन के लिए राहुल गांधी से क्षमा मांगने के लिए भी कहा। निश्चित रूप से यह मुद्दा आने वाले कुछ दिन तक हमारी राजनीति पर छाया रहेगा, पर यह कहकर कि प्रधानमंत्री मोदी या भाजपा या संघ ही हिंदू नहीं हैं, नेता प्रतिपक्ष ने अपने कथन को स्पष्ट करने की कोशिश की थी। राहुल गांधी ने कहा, 'हमारे सभी महापुरुषों ने अहिंसक और भय मुक्त होने की बात कही है... पर आज जो स्वयं को हिंदू कहते हैं वे हिंसा, घृणा संस्कृति की बात ही करते हैं... आप हिंदू हो ही नहीं सकते।' हिंदुत्व का ठेका लेने वालों को भला यह बात कैसे स्वीकार हो सकती है, शोर मचना तो स्वाभाविक है। शोर तो इस बात पर भी मचेगा कि नेता प्रतिपक्ष धार्मिक आदि के चित्र लेकर क्यों आये? बहरहाल, नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी का यह भाषण हमारी राजनीति में बहुत दिन तक गूंजेगा। भाजपा एक अर्से से, कम से कम पिछले दस साल से, यह असफल कोशिश करती रही है कि राहुल गांधी को राजनीति के लिए अपरिपक्व समझा जाये।

आप का नजरीया

सामूहिक त्रासदी के गुनहगार

उप्र के हाथरस जिले में कथित 'भोले बाबा' का सत्संग सामूहिक मौत में तबदील हो गया। सत्संग एक स्वयंभू बाबा का था, जिनके श्रद्धालुओं में मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, अफसर भी शामिल हैं। हाथरस जिले के सत्संग में तब भगदड़ मच गई, जब गरीब, आम आदमी, महिलाएं आदि भक्त 'भोले बाबा' के पांव छूना चाहते थे। वह आस्था थी या धर्मान्धता थी, हम इस पर टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन एक औसत इनसान 'भगवान' नहीं हो सकता। सत्संग की भीड़ में बाबा का आशीर्वाद लेने की होड़ लगी थी। वह होड़ ही भगदड़ में तबदील हो गई। वहां कुछ फिसलन थी, गड्ढा था, लिहाजा लोग फिसल कर एक के ऊपर एक गिरने लगे। वे आपस में रौंद भी रहे थे। भीड़ में इतनी हड़बड़ी थी कि लोगों ने इनसानों को ही कुचल दिया। अंततः सत्संग 121 मौतों के साथ त्रासदी में बदल गया। करीब 35 घायल हो गए और 20 लापता बताए गए हैं। ये आंकड़े ज्यादा भी हो सकते हैं। कितने घर अनाथ हो गए। कितने घरों की 'देवियां' नहीं रहीं। बताया गया है कि 108 महिलाओं की मौत हुई है। सवाल यह है कि क्या कथित 'भोले बाबा' और उनके सेवादार आयोजकों के खिलाफ 'गैर इरादतन हत्या' का केस दर्ज किया गया है अथवा कोई संभावना है? मुख्य सेवादार और कुछ अन्य पर प्राथमिकी तो दर्ज की गई है। प्राथमिकी में 'भोले बाबा' का नाम क्यों नहीं है? बताया जाता है कि करीब 1.25 लाख की भीड़ सत्संग में आई थी। दूसरा पक्ष 2.5 लाख की भीड़ का दावा कर रहा है। संख्या को लेकर राज्य के मुख्य सचिव, इलाके के आईजी, डीएम और एसडीएम आदि के अलग-अलग बयान हैं। सवाल हैं कि यदि स्थानीय प्रशासन ने सत्संग की अनुमति दी थी, तो क्या पर्याप्त बंदोबस्त देखे गए थे? जल, चिकित्सा, दवाई, डॉक्टर, एम्बुलेंस और प्रवेश-निकास दरवाजों आदि की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया था? क्या पर्याप्त संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था? एडीजी ने दावा किया है कि मौके पर 40 पुलिस वाले थे। क्या इतनी भीड़ के लिए 40 पुलिस वाले पर्याप्त थे? क्या छोटे से गांव में भीड़ का सैलाब देखकर प्रशासन और पुलिस सतर्क नहीं हुए, लिहाजा बंदोबस्त नहीं किए जा सके। एसडीएम दफ्तर का कहना है कि 50 हजार की भीड़ बताई गई थी, लेकिन 80 हजार से ज्यादा लोग पहुंच गए। स्थानीय पुलिस का कहना है कि हमें कार्यक्रम का जो पत्र मिला था, उसमें भीड़ का कॉलम खाली था। राज्य के सर्वोच्च अधिकारी मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के बयान कुछ और ही हैं। प्रशासन के स्तर पर ये विरोधाभास क्यों हैं? आखिर किसकी जवाबदेही और जिम्मेदारी है? ऐसे धार्मिक और बाबाओं के आयोजनों में लोग आस्था और कष्टनिवारण की भावना से आते हैं। बेशक धर्मगुरु हों, सामाजिक नेता हों, प्रभावी लोग या आयोजक, हजारों-लाखों की भीड़ जुटा कर उन्हें उनके ही हाल पर छोड़ देते हैं। सरकारें और प्रशासन भी इन कथित बाबाओं पर हाथ नहीं डालते। कोरोना महामारी के दौरान इसी 'भोले बाबा' ने उप्र के फर्रुखाबाद में सत्संग किया था। उसमें भी खूब भीड़ जुटाई गई थी। सरकार और प्रशासन ने उस सत्संग की इजाजत कैसे दे दी थी? घटनास्थल का दृश्य इतना भयावह, हृदयविदारक, विचलित करने वाला था कि एक पुलिस कर्मी रवि यादव को दिल का दौरा पड़ा और उनकी मौत हो गई।

फरीदाबाद में मकान का छज्जा गिरने से एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत

फरीदाबाद (हिंस)। सेक्टर-58 थाने के अंतर्गत सीकरी गांव में शुक्रवार देर रात एक मकान का छज्जा गिरने से नीचे खेल रहे एक परिवार के तीन बच्चों की मौत हो गई। छज्जे की हालत ठीक नहीं थी। वर्षा के बाद इसकी हालत और खराब हो रही थी लेकिन किसी को यह अंदाजा नहीं था कि वह गिर जाएगा। जानकारी के अनुसार गांव में राकेश रहता है। उसने किराए के लिए कमरे बनाए हुए हैं। इन्हीं कमरों में कुछ प्रवासी लोग किराए पर रहते हैं। एक कमरे में धर्मेंद्र अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रहता था। देर शाम इस मकान का छज्जा एकाएक गिर गया। जिसके चलते छज्जा के नीचे बैठे धर्मेंद्र का 10 वर्षीय पुत्र आदिक, नौ वर्षीय आकाश तथा 11 वर्षीय पुत्री मुस्कान उसकी चपेट में आ गए। इस हादसे में तीनों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची थाना सेक्टर-58 और सीकरी चौकी पुलिस ने तीनों बच्चों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है। पोस्टमार्टम आज होगा। बड़ा हादसा होने की वजह से पूरा गांव में हाहाकार मच गया। जिसने भी सुना, वह अचंभित रह गया। एक साथ तीन बच्चों की मौत से स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

कांग्रेस के 22 नेताओं ने अपनों को ही चुनाव हरवाया

अनुशासन समिति की बैठक में कार्रवाई की सिफारिश

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में शनिवार को पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना की अध्यक्षता में अनुशासन समिति की बैठक हुई। इसमें विधानसभा और लोकसभा कांग्रेस को हरवाने वाले नेताओं के खिलाफ मिली शिकायतों पर चर्चा की गई और बाइस शिकायतों पर रिपोर्ट तैयार की गई है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भीतरघात की वजह से कांग्रेस को कई सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। शिकायतों के आधार पर जानकारी में आया कि कांग्रेस के 22 नेताओं ने अपनों को ही हरवाया। अब कांग्रेस अनुशासन समिति इन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश कर रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव व प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक में अनुशासन समिति की को-चेयरमेन शकुंतला

रावत, संयोजक हाकम अली तथा सदस्य विनोद गोठवाल उपस्थित रहे। बैठक में समिति द्वारा अनुशासन भंग करने के 20 से अधिक लंबित प्रकरणों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा विवेचना करने के पश्चात सभी प्रकरणों में निर्णय के लिए समिति ने अपनी अनुशंषा प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को भेज दी। डोटासरा की मंजूरी के बाद एक्शन पर फैसला होगा। पहले चरण में इन नेताओं को नोटिस जारी होंगे। अनुशासन कमेटी के अध्यक्ष उदयलाल आंजना ने बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि हमने 22 नेताओं के खिलाफ मिली शिकायतों पर चर्चा की है। हमारी कमेटी प्रदेशाध्यक्ष को रिपोर्ट भेजेगी। हम अलग-अलग कैटेगरी बनाकर भेज रहे हैं। चुनाव हरवाने की शिकायतें हैं। कई उम्मीदवारों ने साथ नहीं देने की शिकायतें की हैं। कुछ ने विपक्षी उम्मीदवारों का साथ देने की शिकायतें कीं। चुनाव में हरवाने का प्रयास किया। खुद उम्मीदवारों ने ही शिकायतें की हैं। लंबे समय से बैठक हुई नहीं थी। कांग्रेस में 10 साल बाद कांग्रेस अनुशासन समिति की बैठक हुई है। डॉ. चंद्रभान के अध्यक्ष काल में हीरालाल इंदौरा की अध्यक्षता में अनुशासन समिति की बैठक हुई थी, उसके बाद अब बैठक हुई है। बैठक में भीतरघात करने वाले नेताओं पर एक्शन लेने या नोटिस देने पर विचार हुआ है।

हाथरस त्रासदी के बाद भूमिगत भोले बाबा मीडिया के सामने आए

कहा, शासन-प्रशासन पर भरोसा

हाथरस (हिंस)। हाथरस त्रासदी पर सवालों से घिरे सूरजपाल उर्फ भोले बाबा आखिरकार आज मीडिया के सामने आए और चुप्पी तोड़ी। उल्लेखनीय है कि दो जुलाई को सिकन्दराराऊ के गांव फुलरई मुगल गढ़ी में सूरजपाल उर्फ भोले बाबा उर्फ साकार हरि भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो चुकी है। इस त्रासदी में दर्जनों लोग घायल भी हुए हैं। उनका अभी तक अलीगढ़, आगरा, हाथरस, एटा सहित अन्य स्थानों पर उपचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि वह हादसे से व्यथित हैं। उन्हें शासन-प्रशासन पर पूरा भरोसा है कि उपद्रवकारी बक्शे नहीं जाएंगे। दो जुलाई के बाद से उत्तर प्रदेश पुलिस भोले बाबा की तलाश में है। कई राज्यों खाक छानने के बाद वह सूरजपाल उर्फ भोले बाबा तक नहीं पहुंच पाई। शनिवार को भोले बाबा उर्फ सूरजपाल मीडिया के सामने आए। कैमरों के सामने आते ही कुछ पल मौन रहे। इसके बाद अपने प्रवचन अंदाज में कहा कि नारायण साकार हरि की पूरे ब्रह्मांड में सदा-सदा के लिए जय जयकार हो। 2 जुलाई की घटना के बाद से वह बहुत व्यथित हैं। ईश्वर उन्हें और संगत को इस दुखभरी घड़ी से उबरने की शक्ति दे। उन्होंने अपने अधिवक्ता डॉ. एपी सिंह के माध्यम से कमेटी के पदाधिकारियों से बातचीत की है। भोले बाबा की तरफ से कहा गया है कि वह पीड़ित परिजनों के साथ जीवन पर्यंत सहयोग के लिए तन-मन-धन से खड़े रहेंगे। कमेटी के लोग भी इस विचार से सहमत हैं और पीड़ितों की मदद भी कर रहे हैं। अपने अंदाज में ही बोले बाबा ने कैमरे के सामने अपने बात खत्म की।

फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने लोक गायिका बावा के परिवार को दिए 25 लाख

चंडीगढ़ (हिंस)। फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने पंजाबी लोक गायिका एवं पद्म-भूषण प्राप्त स्वर्गीय गुरमीत बावा के परिवार की आर्थिक मदद की है। अक्षय कुमार ने बिना किसी सूचना के गुरमीत बावा की बेटी ग्लोरी बावा के खाते में 25 लाख रुपए ट्रांसफर किए हैं। ग्लोरी बावा के परिवार के हालात की वीडियो वायरल होने के बाद अक्षय ने यह मदद की है। गुरमीत बावा का जन्म 1944 में गांव कोठे गुरदासपुर में हुआ था। उस समय पंजाब में लड़कियों को पढ़ने नहीं दिया जाता था लेकिन गुरमीत ने शादी के बाद पढ़ाई पूरी की। गुरमीत बेहद सुरीली आवाज की मल्लिका थीं। उनके पति ने उनका साथ दिया और वह मुंबई तक भी पहुंच गईं। पुराने समय में बॉलीवुड और पंजाबी इंडस्ट्री की फिल्मों व गानों में जितने भी संवाद डाले जाते थे, उनमें अधिकतर गुरमीत की ही आवाज होती थी। स्वर्गीय गुरमीत बावा व लाची बावा का साथ छूट जाने के बाद उनकी बेटी ग्लोरी को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। ग्लोरी अपना परिवार संभालने के साथ-साथ अपनी बहन लाची बावा के बच्चों को भी देख रही थी।

देशभर के मूक बधिर बच्चों के लिए बीकानेर में मीसो लगाएगा स्किल डवलपमेंट शिविर

बीकानेर (हिंस)। मूक बधिर बच्चों के लिए अनूठा और बेहतरी के लिए कार्य कर रहा महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन (मीसो) बीकानेर में देशभर के 12 से 20 वर्ष के एक हजार मूक-बधिर बच्चों के लिए स्किल डवलपमेंट शिविर लगाएगा। इसकी तारीख की घोषणा यहां एक पत्रकार सम्मेलन में करते हुए मीसो के अंतर्राष्ट्रीय महासचिव लोकेश कावड़िया, कार्यक्रम के संयोजक विजय सिंह डागा, अंतर्राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अशोक जैन एवं कार्यक्रम सह संयोजक संतोष बांठिया ने संयुक्त रूप से की। कावडिया और डागा ने बताया कि यह शिविर 28 सितंबर से 2 अक्तूबर तक आयोजित होगा। राजस्थान के 250 मूक बधिर बच्चे शामिल है। बच्चों को 75 तरह की विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि हर स्कूल से 16 बच्चे एवं चार टीचर आएंगे। करीब 20 हजार वर्गफीट एरिया में 40 स्टॉल्स लगाई जाएगी। जहां मूक-बधिर बच्चों द्वारा तैयार किए उत्पादों का रखा जाएगा। पिछले शिविरों के अनुभव के आधार पर कावड़िया ने बताया कि प्रशिक्षण लेने के बाद बच्चे 15 से 50 हजार रुपए हर माह कमा रहे हैं। उन्होंने बताया कि देशभर से आने वाले ट्रेनर सांकेतिक भाषा में साबुन, फिनाइल, शैंपू, हैंडवॉश, लिपस्टिक आदि 75 विधाओं का प्रशिक्षण देंगे। रॉ मैटेरियल संस्था द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। उन्हें मैन्यूफैक्चरिंग से लेकर मार्केटिंग तक के गुर सिखाए जाएंगे। जो माल नहीं बिकता उसकी जिम्मेदारी संस्था की है। बिकने वाले माल का प्रोफिट संस्था बच्चों को देगी। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि देशभर से कन्नड़, तमिल, तेलगू, बंगाली आदि भाषाओं के बच्चे आएंगे, लेकिन उनकी सांकेतिक भाषा एक ही है। इन बच्चों के लिए चार भवन निशुल्क उपलब्ध कराए हैं और सभी एसी रूम में रहेंगे। यहां निशुल्क भवन उपलब्ध करवाना कोई मायने नहीं रखता, सेवा मायने रखती है। हम चाहेंगे बीकानेर का नाम वर्ल्ड रिकार्ड में आए। शिविर में पहले दो दिन ट्रेनर बच्चों को सिखाएंगे व बाद में ट्रेनर्स की प्रत्यक्ष निगरानी में *बच्चे सिखाएं बच्चों को* का आत्मविश्वास बढ़ाने का कार्यक्रम होता है जिससे उनका परफेक्शन बढ़ाने में आसानी होती है। एक दिन सारे बच्चों एवं उनके शिक्षकों को बीकानेर दर्शन कराने भी ले जाएंगे जिसमें जूनागढ़, संग्रहालय, ऊंट फार्म, घोड़ा फार्म, रसगुल्ला एवं बीकानेर का प्रसिद्ध भुजिया फैक्ट्री तथा देशनोक की करणी माता मंदिर के दर्शन करने के पश्चात वापस डागा पैलेस में आ जाएंगे। इससे पहले आयोजित संस्था की बैठक में मीसो के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पाली के पूर्व सांसद वीर पुष्प जैन ने अपने सम्बोधन में कहा कि संस्था का प्रशासनिक कार्यालय रायपुर में है।

ई-भूमि पोर्टल से खरीद प्रक्रिया से पारदर्शिता आएगी : नायब सिंह सैनी

सोनीपत (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक हाई पावर्ड लैंड परचेज कमेटी की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से की जिसमें सभी जिलों के उपायुक्तों ने सरकारी भूमि बेचने के लिए किए गए आवेदनों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों को निर्देश दिए कि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या नहीं होने चाहिए और ई-भूमि पोर्टल के माध्यम से भूमि खरीद प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता से पूरा करें। उन्होंने बताया कि अगर किसान ई-भूमि पोर्टल पर आवेदन करता है, तो उसकी जमीन की जांच कर उसकी रिपोर्ट मुख्यालय भेजी जाएगी, जिससे सरकारी परियोजनाओं के लिए इसका इस्तेमाल हो सके। वीडियो कांफ्रेंस में शामिल रहे शहरी स्थानीय निकाय राज्य मंत्री सुभाष सुधा और मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद भी उपस्थित थे। उपायुक्त डॉ. मनोज ने वीडियो कांफ्रेंस के बाद अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का पालन किया जाए, विशेष रूप से भूमि खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए। ई-भूमि पोर्टल की शुरुआत से यह प्रक्रिया सुगम हुई है, जिसमें किसान आसानी से अपनी भूमि को सरकार को बेच सकता है। वीडियो कांफ्रेंस में डीआरओ हरिओम अत्री, तहसीलदार जीवेन्द्र कुमार, और पीडब्ल्यूडी विभाग के एक्सईएन प्रशांत कौशिक भी उपस्थित रहे।

धर्मांतरण को लेकर हंगामा, दंपती को पीटा

भरतपुर (हिंस)। शहर के मथुरागेट थाना इलाके में धर्म परिवर्तन को लेकर हंगामा हो गया। एक मकान में कुछ लोग चर्च फाउंडेशन का बैनर लगाकर प्रार्थना कर रहे थे। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के कुछ कार्यकर्ता धर्मांतरण का आरोप लगाते हुए मकान में घुसे और पति-पत्नी समेत तीन लोगों के साथ मारपीट की। इस दौरान एक व्यक्ति का सिर फूट गया और महिला के कपड़े फट गए। हंगामे और धर्म परिवर्तन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और 28 लोगों को डिटेन किया। इनमें बीस महिलाएं हैं। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष लाखन सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह हमें सूचना मिली कि रेलवे फाटक नंबर 39 एरिया में सिमको फैक्ट्री के पास एक मकान में धर्मांतरण चल रहा है। मकान में करीब 100 लोग हैं। जब हमने विहिप के एक सदस्य को मकान में भेजा तो महिला ने कहा कि यहां तो लाइब्रेरी चल रही है। इसके बाद हम घर में घुसे तो सामने आया कि यहां कथित तौर पर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। शहर में पहले भी सोनार हवेली में धर्म परिवर्तन का मामला पकड़ा था। लाखन सिंह ने आरोप लगाया कि घर के अंदर मौजूद लोगों को 500-500 रुपए देकर बुलाया गया था। यह मकान रविंद्र कुमार का है। वह भरतपुर शहर के पास के अजान गांव का रहने वाला है। इसने वहां भी दूसरे धर्म का प्रचार शुरू किया था। उन्होंने बताया कि अजान गांव से भागकर रविंद्र भरतपुर आया और यहां एकता विहार कॉलोनी में रहने लगा। इसने वहां भी धर्म परिवर्तन करवाया। तब आस-पास के लोगों ने इसे वहां से भगा दिया। अब यह पिछले तीन-चार साल से यहां रहकर धर्म परिवर्तन करा रहा है। इसे हमने कई बार समझाया था, लेकिन यह माना नहीं। घर के अंदर ईसा मसीह के पोस्टर और धार्मिक कैलेंडर मिले हैं। मथुरा गेट थाना इंचार्ज करण सिंह राठौड़ ने बताया कि पुलिस डिटेन किए गए 28 लोगों में से रविंद्र कुमार, फूल सिंह और रविंद्र की पत्नी से पूछताछ कर रही है, जबकि बाकी 25 लोगों को धारा 151 में गिरफ्तार दिखाकर एडीएम सिटी श्वेता यादव के सामने पेश किया।

गिरिराज ने कहा, लालू प्रसाद से कमजोर नेता कोई नहीं

पटना (हिंस)। राजद सुप्रीमो लालू यादव के इस बयान पर कि अगस्त के महीने में नरेंद्र मोदी की सरकार गिर जाएगी, भाजपा ने हमला बोला है। भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को कहा कि लालू प्रसाद से कमजोर नेता कोई नहीं है। क्योंकि, जो नेता अपने परिवार तक ही सिमट गया उससे बड़ा कमजोर कोई नहीं है। लालू यादव को सलाह देते हुए गिरिराज ने कहा कि लालू यादव को नीतीश कुमार का पैर छूकर प्रणाम करना चाहिए और नीतीश कुमार का फोटो लगा हुए एक लॉकेट गले में धारण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार से 2015 में एक भूल हुई कि उन्होंने लालू फैमिली को नई राजनीतिक जिंदगी दी। इसलिए लालू प्रसाद नीतीश कुमार का फोटो लगा हुआ लॉकेट पहने नहीं तो फिर 22 पर जाकर लटक जाएंगे। इसलिए वह नीतीश कुमार का पैर छूकर प्रणाम करें कि उन्हें और उनकी पार्टी को नया जीवन दे दिया।

मोदी-योगी सरकार में देश के धार्मिक स्थलों का हो रहा कायाकल्प : महंत राजू दास

चित्रकूट (हिंस)। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या से तपोभूमि चित्रकूट आए हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास महाराज ने मनोकामनाओं के पूरक भगवान श्री कामतानाथ जी के दर्शन और पूजन कर कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा की। इस मौके पर महंत राजू दास ने धार्मिक स्थलों के चहुमुखी विकास के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने सिर्फ एक कौम और एक मजहब की बात होती थी। विकास के नाम पर सिर्फ मस्जिदों और मजारों की बाउंड्री बनाने का काम किया गया है। उन्होंने हाथरस कांड के लिए सूट बूट वाले बाबा को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि ऐसे ढोंगी बाबाओं के लिए योगी का बुलडोजर चलना चाहिए। लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिली हार पर महंत ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने संदेश दिया है कि अब अयोध्या का काम पूरा हुआ मथुरा चलने की बारी है। महंत राजू दास ने शनिवार को हिंदुस्थान समाचार से खास बातचीत में कहा कि मोदी और योगी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने 38 हजार करोड़ से भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या का विकास किया है। इसके अलावा देश के अन्य सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों का कायाकल्प किया जा रहा है, यह बड़े गर्व और सौभाग्य बात है। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों में एक कौम और एक मजहब की बात होती थी। उत्तर प्रदेश भ्रष्टाचार और दंगा प्रदेश के रूप में जाना जाता रहा था। आए दिन गुंडे-माफिया बहन-बेटियों की इज्जत लूटते रहे हैं। व्यापारियों का शोषण और उत्पीड़न करते रहे हैं। लेकिन जब से यूपी में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा के सरकार बनी है गुंडे-माफिया या तो जेल में हैं या तो सीधे प्रभु से मेल में हैं। अयोध्या के विकास कार्यों पर सवाल उठाने वाले सपा और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए महंत राजू दास ने कहा कि जब 38 वर्षों तक भगवान श्री राम टेंट में थे। साल में एक बार रामनवमी के दिन भगवान श्रीराम के वस्त्र बदले जाते थे, तब इन्होंने सवाल क्यों नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और विश्व पटल पर स्थापित करने से इन्हें किसने रोका था। महंत ने हमला बोलते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने सिर्फ मजारों की बाउंड्री वॉल बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि संघ विचार परिवार के लोग जब विरोध करते थे तो उनको जेल भेजने का काम किया जाता था। हाथरस कांड पर बोलते हुए महंत राजू दास ने कहा कि हाथरस में हुई हृदय विदारक घटना के लिए तथाकथित महात्मा भोलेबाबा जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि भारत आस्था का देश है। संतों के चोले का मजाक नहीं उड़ाया जाना चाहिए। सूट बूट वाले बाबा संतों का अपमान कर रहे है। कहा कि सूट बूट वाले बाबाओं के खिलाफ भी यूपी के सीएम योगी का बुलडोजर चलना चाहिए। इसके अलावा राजू दास ने कहा कि जब से केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है भगवान श्री राम की तपोभूमि चित्रकूट का कायाकल्प हुआ है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बनारस की तर्ज पर चित्रकूट का पर्यटन विकास करने की मांग की है। साथ ही लोकसभा चुनाव में भाजपा के हार पर चर्चा करते हुए महंत राजू दास ने कहा कि हार का सिर्फ एक ही कारण है कि भगवान श्री राम ने भाजपा को संदेश दिया है कि अब अयोध्या का सारा काम हो गया है अब मथुरा चलने की बारी है। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, महामंत्री अश्वनी अवस्थी, जिला मंत्री रामबाबू गुप्ता, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष हीरो मिश्रा, महामंत्री अभिषेक ओझा, वरिष्ठ नेता हर्ष मिश्रा, पन्ना लाल कोरी, व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष ओम के सरवानी, जिला मंत्री महेश जायसवाल आदि सैंकड़ों लोग मौजूद रहे।

आतंकियों से लोहा लेने वाले 7 एसपीओज को बनाया कांस्टेबल

डोडा (हिंस)। डीजीपी आर आर स्वैन ने शनिवार को डोडा का दौरा कर वहां की सुरक्षा को लेकर समीक्षा की। जबकि इस मौके पर उन्होंने सात एसपीओ को पुलिस कांस्टेबल के तौर पर नियुक्त करने के आदेश भी जारी किए। डीजीपी ने कहा कि कम वेतन के बावजूद जम्मू-कश्मीर पुलिस बहादुरी और सतर्कता से लड़ती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान अपनी जान और परिवार की परवाह किए बिना आतंकवाद का मुकाबला करते हैं, जो उन्हें अन्य सुरक्षा बलों से अलग करता है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एसपीओ की भूमिका की भी प्रशंसा की गई और डीजीपी ने आश्वासन दिया कि उन्हें उचित पुरस्कार दिया जाएगा।

दलाई लामा की जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

बेतिया (हिंस)। बेतिया स्थित बगीचा बुद्ध विहार (बगीचा रेस्टोरेंट) में शनिवार को विश्व बौद्ध गुरु दलाई लामा का जन्म दिवस समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। जिसमें समारोह की अध्यक्षता महास्थवीर भंते विमल कीर्ति महस्तवीर ने की। इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा पश्चिमी चंपारण के संरक्षक एवं वंचित बहुजन मोर्चा बिहार प्रदेश के अध्यक्ष रविंद्र सिंह बौद्ध ने कहा कि 14वें दलाई लामा को भारत सरकार भारत रत्न देकर सम्मानित करें। क्योंकि वह एक विश्व शांति के अग्रदूत हैं। जो पूरे विश्व में शांति का संदेश दे रहे हैं। वह महात्मा बुद्ध के संदेशों को पूरे विश्व में फैलाने का काम कर रहे हैं। ताकि विश्व में शांति कायम रहे। आज बुद्ध का संदेश विश्व की जरूरत बन गई है। बुद्ध के संदेश से में विश्व शांति कायम रह सकती है एवं भाईचारा बना रह सकता है। वही भंते विमल कीर्ति ने कहा कि मैं आज तक दलाई लामा के नाम पर कार्यक्रम होते हुए नहीं देखा है। यह रविंद्र सिंह बौद्ध की सराहनीय पहल है। जो दलाई लामा की जयंती मना रहे हैं। भगवान बुद्ध महात्मा नहीं थे। पूरे विश्व में एक शांति का संदेश फैलाया।

उष्ट प्रजाति के संरक्षण व विकास की दिशा में एनआरसीसी बेहतरीन कार्य कर रहा : डॉ. राणे

बीकानेर (हिंस)। केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान के निदेशक डॉ. जगदीश राणे ने कहा कि यद्यपि ऊंटों की संख्या घट रही है परंतु उष्ट प्रजाति के संरक्षण व विकास की दिशा में एनआरसीसी बेहतरीन कार्य कर रहा है तथा खास बात यह है कि यहां शोध को मानव समाज के स्वास्थ्य लाभ से जोड़कर उसे सिद्ध किया जा रहा है। राष्ट्रीय उष्ट अनुसंधान केंद्र (एनआरसीसी) के 41 वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राणे ने यह बात कही। उन्होंने वैज्ञानिकों को मार्केटिंग के हिसाब से उत्पाद तैयार कर इनके पेटेंट के लिए तथा युवा उद्यमियों को ऊंटनी के दूध आदि को लेकर स्टार्टअप खोलने केलिए भी प्रेरित किया। इस समारोह में राजस्थान के जैसलमेर, जोधपुर, झालावाड़, बारां जिलों तथा बीकानेर से गाढ़वाला, भामटसर, मोरखाना आदि के ऊंट पालकों, महिला किसान, दुग्ध उद्यमिता से जुड़े युवा उद्यमियों, बीएसएफ के जवानों, स्कूली बच्चों, बीकानेर स्थित आईसीएआर के विभागाध्यक्षों व एनआरसीसी के सेवा निवृत्त तथा कार्यरत वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों सहित 200 से ज्यादा

ने शिरकत की। केंद्र के निदेशक व कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. आरके सावल ने कहा कि केंद्र द्वारा ऊंटों के जनन, प्रजनन, आनुवांशिकी, शरीर कार्यिकी, पोषण, स्वास्थ्य आदि को लेकर गहन शोध कार्य किए गए साथ ही बदलते परिवेश में ऊंटों की उपादेयता बढ़ाने के लिए शोध द्वारा ऊंटनी के औषधीय दूध का मानव रोगों यथा-मधुमेह, टीबी, ऑटिज्म आदि के प्रबंधन में लाभदायक पाया है फलस्वरूप समाज में इसके प्रति जागरूकता व दूध की स्वीकार्यता भी तेजी से बढ़ी है साथ ही ऊंट पालकों की अतिरिक्त आमदनी बढ़ाने के लिए उष्ट पर्यावरणीय पर्यटन विकास कार्यों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में संस्थान में भ्रमणार्थ पर्यटकों की सालाना संख्या लगभग 50 हजार से ऊपर पहुंच गई है। विशिष्ट अतिथि डॉ. एसएन टंडन, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक, एनआरसीसी ने विगत वर्षों में एनआरसीसी की प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि ऊंटों की उपादेयता को समाजार्थिक आवश्यकता अनुसार तलाशे जाने की महत्ती आवश्यकता है ताकि इस उष्ट प्रजाति व संबद्ध समुदायों को लाभ मिले। केंद्र के स्थापना दिवस पर बीएसएफ के जवानों द्वारा उष्ट परेड, केंद्र द्वारा सजावटी ऊंटों का प्रदर्शन, महिला पशुपालकों द्वारा उष्ट गाड़ा प्रदर्शन, ऊंट नृत्य, स्कूली विद्यार्थियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कैमलिडस वर्ष थीम पर रंगोली प्रदर्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही उष्ट दुग्ध उत्पादों, उष्ट आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई। ऊंटों के लोक गीतों, फिल्मों, विज्ञापनों इत्यादि में उपयोग संबंधी चलचित्र की प्रस्तुति की गई। उष्ट पालन से जुड़े हितधारकों द्वारा उष्ट संरक्षण, पालन व उष्ट दुग्ध उद्यमिता पर विचार साझा किए तथा उष्ट पालन को लेकर जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों के समाधान की आवश्यकता जताई। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा संस्थान की गत 40 वर्षों की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया। साथ ही दो कूबड़ ऊंट व शुष्क क्षेत्रों में पौधों की प्रजातियों की वर्तमान स्थिति संबंधित पुस्तकों का विमोचन किया गया। केंद्र द्वारा उष्ट दुग्ध उद्यमिता से जुड़े उष्ट पालकों को उनके उल्लेखनीय योगदान तथा बीएसएफ को ऊंटों की उपयोगिता को आज के दौर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उष्ट पालन के क्षेत्र में केंद्र के उष्ट अनुचरों के महत्ती योगदान हेतु भी सम्मानित किया गया।

भारत में निवेश न करने के फैसले से नुकसान में रहेगा टेस्ला : ओला कैब

नई दिल्ली ।
ओला कैब्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारतीय बाजार में निवेश न करने का टेस्ला का फैसला अमेरिका की इस कंपनी के लिए एक बड़ा नुकसान है। भारत के लिए नहीं। एक्स पर एक पोस्ट में अधिकारी ने कहा कि अगर यह सच है।

तो यह टेस्ला का नुकसान है, भारत का नहीं। हालांकि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन और लिथियम का क्षेत्र अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जब टेस्ला कुछ सालों बाद फिर से भारत को गंभीरता से देखेगी, तब तक बहुत देर हो चुकी होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ला ने भारतीय अधिकारियों की पूछताछ का जवाब नहीं दिया है और अब उम्मीद नहीं है कि वह भारत में निवेश करेगी। यह खबर एलन मस्क के भारत दौरे को टालने के बाद आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला की आर्थिक चुनौतियों के कारण कंपनी भारत में और निवेश की योजना नहीं बना रही है। टेस्ला की ग्लोबल सेल्स इस तिमाही में लगातार दूसरी बार कम हुई है और उसे चीन से कड़ा कंपटीशन मिल रहा है। इसके अलावा, कंपनी ने नौकरियों में कटौती की घोषणा की है, अपने मुख्य साइबरट्रक स्टॉल को बेच दिया है और मेक्सिको में अपने प्लांट के निर्माण को टाल दिया है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि अब सरकार भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के उत्पादन को बढ़ाने के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स जैसी घरेलू कंपनियों पर ध्यान दे सकती है। अप्रैल में मस्क ने भारत की यात्रा रद्द कर दी थी, जहां वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले थे। बताया जा रहा है कि यह यात्रा कंपनी में जरूरी कामों के कारण रद्द हुई। इस साल मार्च में, भारत सरकार ने 41.5 अरब रुपए (500 मिलियन डॉलर) की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी दी थी। इस नीति में वैश्विक ईवी निवेश को आकर्षित करने और भारत को एडवांस ईवी के लिए एक बड़ा निर्माण केंद्र बनाने के लिए कई प्रोत्साहन दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

माइक्रोसॉफ्ट ने की छंटनी, प्रभावित कर्मचारियों का खुलासा नहीं

वाशिंगटन । दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने इस सप्ताह एक और छंटनी की पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार ये छंटनी कंपनी के विभिन्न टीमों और स्थानों को प्रभावित करेगी। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने इस ताजा छंटनी में प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया है। रिपोर्ट में लिंक्डइन पर सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें संकेत मिलता है कि छंटनी का असर प्रोडक्ट और प्रोग्राम मैनेजमेंट विभागों पर पड़ा है। माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने छंटनी की पुष्टि की। प्रवक्ता ने कहा कि हमारे व्यवसाय को चलाने के लिए संगठन और कार्यबल में बदलाव जरूरी होते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने भविष्य के लिए और ग्राहकों एवं पार्टनर्स के समर्थन के लिए महत्वपूर्ण वृद्धि क्षेत्रों में निवेश करना जारी रखेंगे। माइक्रोसॉफ्ट ने अपना वित्तीय वर्ष 30 जून को समाप्त किया और इस दौरान पुनर्गठन प्रयास टेक दिग्गज के लिए असामान्य नहीं हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने 2023 में भी ऐसा ही किया था। ताजा छंटनी 2024 में पहले हुई कटौती के बाद हुई है। साल की शुरुआत में माइक्रोसॉफ्ट ने अपने गेमिंग डिवीजन में लगभग 2,000 नौकरियों में कटौती की थी। पिछले महीने, एक और छंटनी दौर में एजुरे क्लाउड यूनिट और होलोलेंस मिक्स्ड-रियलिटी टीम सहित लगभग 1,000 पदों पर असर पड़ा था। पिछले 18 महीनों में माइक्रोसॉफ्ट ने हजारों कर्मचारियों को निकाला है। ये छंटनी टेक इंडस्ट्री में चल रही व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा रही हैं। बताया जाता है कि अब तक लगभग 100,000 कर्मचारियों को टेक कंपनियों ने निकाला है। 2023 में टेक कंपनियों द्वारा निकाले गए कर्मचारियों की संख्या लगभग 260,000 थी।

भारत आएंगे फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू

नई दिल्ली । ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक कंपनी फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू इस साल भारत का दौरान करने की योजना बना रहे हैं। लियू को चार जुलाई को ताइपे में पद्म भूषण पुरस्कार दिया गया। भारत ताइपे एसोसिएशन के महानिदेशक मनहरसिंह यादव ने उन्हें यह पुरस्कार दिया। इस वर्ष 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर उन्हें तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित करने की घोषणा की गई थी। लियू ने बयान में कहा कि मैं यह पुरस्कार पाकर अभिभूत हूं। मैं कहना चाहता हूं कि मुझे उन सभी महिलाओं तथा पुरुषों की ओर से यह पुरस्कार स्वीकार करते हुए बेहद गर्व हो रहा है जो भारत में स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं। मैं इस वर्ष भारत में राष्ट्रपति से मिलने को उत्साहित हूं। वह पिछले साल जुलाई में सेमीकॉन इंडिया कॉन्क्लेव में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। उस समय उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। भारत में फॉक्सकॉन का कुल निवेश नौ से 10 अरब अमेरिकी डॉलर के आसपास होने का अनुमान है। कंपनी अपनी आईफोन उत्पादन सुविधा का विस्तार करने की प्रक्रिया में है। एचसीएल समूह के साथ संयुक्त उद्यम में एक चिप संयंत्र भी स्थापित कर रही है।

डीपीआइआईटी ने स्टार्टअप से एंजल कर हटाने की सिफारिश की

नई दिल्ली। उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआइआइटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने बजट आने से पहले स्टार्टअप कंपनियों से एंजल टैक्स हटाने की सिफारिश की है। आयकर विभाग ने पिछले साल सितंबर में नए एंजल टैक्स नियमों को अधिसूचित किया था जिसमें निवेशकों को गैर-सूचीबद्ध स्टार्ट-अप की तरफ से जारी शेयरों का मूल्यांकन करने की एक व्यवस्था भी शामिल है। उचित बाजार मूल्य से ऊपर किसी स्टार्टअप के शेयरों की बिक्री से हासिल पूंजी पर लगने वाले कर को एंजल टैक्स कहा जाता है। पहले एंजल कर केवल स्थानीय निवेशकों पर लागू होता था लेकिन पिछले वित्त वर्ष के बजट ने विदेशी निवेशक को शामिल करने के लिए इसका दायरा बढ़ा दिया था। टेस्ला के भारत आने से जुड़े सवाल पर सिंह ने कहा भारी उद्योग मंत्रालय की तरफ से ईवी के लिए जारी दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है।

5 साल में पैदा हुई 8 करोड़ नौकरियां, श्रम मंत्रालय ने बताया कहां से आया इतना रोजगार

नई दिल्ली।
ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) और स्टार्टअप्स भारत में नौकरियां पैदा करने में प्रमुख खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। यह जानकारी श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा ने दी है। उनका कहना है कि इन दोनों ने मिलकर पिछले पांच साल में करीब आठ करोड़ नई नौकरियां पैदा की हैं।

ग्लोबल कैपिबिलिटी सेंटर आमतौर पर दुनियाभर के संगठन बनाते हैं। इसका मकसद वैश्विक प्रतिभा, संसाधनों और विशेषज्ञता का सही तरीके से इस्तेमाल करना होता है। ये अमूमन बड़े कॉर्पोरेशन का हिस्सा होते हैं और ऋष्ठ, आईटी सर्विसेज, बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग, इंजीनियरिंग सर्विसेज जैसी कई सेवाएं उपलब्ध कराते हैं।

श्रम मंत्रालय की सचिव ने क्या कहा

श्रम मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और एम्प्लॉयर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (ईएफआई) के बोल रही थीं। उन्होंने आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) का हवाला देते हुए 5 साल में 8 करोड़ रोजगार पैदा होने की बात कही।

डावरा ने श्रम कानूनों को अपराधमुक्त करने और महिला कार्यबल भागीदारी बढ़ाने जैसे सुधारों का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने व्यापार को आसान बनाने के लिए कई सुधार किए हैं। डावरा ने कहा, %सामाजिक सुरक्षा और श्रम कल्याण जैसे सुधारों से भारत में समावेशी विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही, 29 श्रम कानूनों को चार श्रम कानूनों में संहिताबद्ध किया गया है। एक राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल सक्रिय है और कौशल मंत्रालय से डेटा एकीकृत किया जा रहा है।

भारत में 1 करोड़ गिग वर्कर्स

डावरा ने कहा कि भारत में 1 करोड़ गिग वर्कर हैं और साल 2030 तक गिग इकोनॉमी से करीब 2.4 करोड़ लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। गिग वर्कर का मतलब ऐसे कर्मचारियों से हैं, जो स्थायी कर्मचारी नहीं होते। ये लोग फ्रीलांसर या फिर काफी कम समय के कॉन्ट्रैक्ट पर काम करते हैं। जैसे कि जोमैटो या स्विगी जैसे ऑनलाइन फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म के डिलिवरी ब्वॉय और ओला-उबर से जुड़े ड्राइवर।

गिग कर्मचारी अर्थव्यवस्था के सर्विस सेक्टर का अहम हिस्सा होते हैं। यह क्षेत्र लगातार तेजी से बढ़ रहा है। डावरा ने कहा कि सरकार ने नौकरियों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है। उन्होंने कहा कि एआई पर हमें किसी नतीजे पर पहुंचने से और भी ज्यादा स्टडी करने की जरूरत है।

बारिश के मौसम में कार कंपनियां दे रहीं तरह-तरह के ऑफर, छूट, एक्सचेंज बोनस और फ्री गिफ्ट भी शामिल

नई दिल्ली । बारिश का मौसम शुरू होते ही गाड़ियों की बिक्री बढ़ाने के लिए कार कंपनियां और डीलर्स तरह-तरह के ऑफर दे रही हैं, जिनमें छूट, एक्सचेंज बोनस और फ्री गिफ्ट शामिल हैं। आमतौर पर मानसून के दौरान शुभ दिन कम होते हैं और मौसम भी खराब रहता है, जिसकी वजह से गाड़ियों की बिक्री कम हो जाती है। इसीलिए कंपनियां बिक्री बढ़ाने के लिए ग्राहकों को लुभाने वाले ऑफर देती हैं।इस बार मानसून आने से पहले देशभर के शोरूम पर अलग-अलग गाड़ियों पर 20,000 रुपए से लेकर 4 लाख रुपए तक की छूट दी जा रही है। ये छूट पिछले साल के मानसून के मुकाबले ज्यादा हैं, क्योंकि कंपनियों के पास पहले से ज्यादा गाड़ियां स्टॉक में हैं और गर्मी की वजह से लोग कम शोरूम जा रहे हैं। फाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इस साल पिछले साल के मुकाबले ज्यादा छूट मिल रही है क्योंकि कंपनियों के पास ज्यादा गाड़ियां जमा हो गई हैं। यानी कि गाड़ियां बनाने वाली कंपनियां ही नहीं बल्कि डीलर्स भी अपना स्टॉक खत्म करने के लिए ऑफर दे रहे हैं। पिछले साल गाड़ियों की कमी थी और लोगों को गाड़ी लेने के लिए इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब ज्यादातर मॉडल और वेरिएंट आसानी से मिल रहे हैं। इस वजह से ग्राहकों को काफी ज्यादा डिस्काउंट मिल रहा है। मारुति सुजुकी की गाड़ियों पर भी अच्छी छूट मिल रही है, जैसे अल्टो के 10 पर 40,000 रुपए, एस-प्रेसो और वेगनआर पर 25,000 से 30,000 रुपए तक और स्वीफ्ट पर 15,000 से 20,000 रुपए तक की छूट मिल रही है। होंडा ने भी होंडा मैजिकल मानसून नाम से एक खास ऑफर शुरू किया है, जिसमें उनकी सभी गाड़ियों पर फायदे और फ्री गिफ्ट दिए जा रहे हैं। जुलाई 2024 में गाड़ी खरीदने वाले ग्राहकों को स्विट्जरलैंड घूमने का मौका या 75,000 रुपए तक के इनाम मिल सकते हैं। टेस्ट ड्राइव करने पर भी सरप्राइज गिफ्ट मिल रहे हैं। ये ऑफर 1 जुलाई से 31 जुलाई तक मान्य हैं।

चालू खरीफ सीजन में आलू, प्याज व टमाटर का बढ़ेगा रकबा, आलू, प्याज व टमाटर के तेजी से बढ़े भाव से उपभोक्ताओं को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली ।
केंद्र सरकार ने कहा कि मॉनसून के कारण चालू खरीफ सीजन में आलू, प्याज तथा टमाटर की फसल के रकबे में बढ़ोतरी हो सकती है। इससे इन तीनों के ही तेजी से बढ़े दाम से उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है। दिल्ली में टमाटर के खुदरा भाव 100 रुपये किलो तक पहुंच गए और कुछ शहरों में यह इससे भी महंगा बिक रहा है। प्याज की कीमत भी बढ़कर 60 रुपये किलो हो चुकी हैं। आलू के भाव भी पिछले साल से तेज हैं और यह खुदरा बाजार में 30 से 40 रुपये किलो बिक रहा है। कृषि मंत्रालय ने चालू खरीफ सीजन में 2.72 लाख हेक्टेयर टमाटर के रकबे का लक्ष्य रखा है, जो पिछले खरीफ सीजन के रकबा 2.67 लाख हेक्टेयर से अधिक है। मुख्य टमाटर उत्पादक क्षेत्रों जैसे आंध्र प्रदेश के चित्तूर और कर्नाटक के कोलार में टमाटर की फसल अच्छी हालत में है। कोलार में टमाटर की नई फसल अगले कुछ दिनों में बाजार में आने लगेगी। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे टमाटर उत्पादक राज्यों में भी खरीफ सीजन में टमाटर का रकबा बढ़ा है। दिल्ली में टमाटर के थोक भाव पिछले साल की तुलना में थोड़े कम हैं। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि कुछ सप्ताह पहले दाम ज्यादा थे। रबी सीजन 2024 में प्याज के उत्पादन में थोड़ी कमी के बावजूद घरेलू बाजार में प्याज की आपूर्ति ठीक है। सरकार ने इस साल खरीफ सीजन में 3.16 लाख हेक्टेयर प्याज के रकबा का लक्ष्य रखा है। यह पिछले खरीफ सीजन से 27 फीसदी ज्यादा है। आधिकारिक बयान के मुताबिक प्रमुख खरीफ उत्पादक राज्य कर्नाटक में 30 फीसदी प्याज खेतों में लग चुकी है। कर्नाटक में इस खरीफ सीजन में प्याज के रकबा का लक्ष्य 1.5 लाख हेक्टेयर है। दूसरे प्रमुख प्याज उत्पादक राज्यों में भी प्याज बोआई का काम अच्छा चल रहा है। 2024 के रबी सीजन में 191 लाख टन प्याज का उत्पादन होने का अनुमान है, जो प्याज की घरेलू खपत 170 लाख टन को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

बैजूस के पूर्व कर्मचारी भी बकाये वेतन को लेकर एनसीएलटी पहुंचे

नई दिल्ली ।
नकदी संकट से जूझ रही एडटेक फर्म बैजूस के 62 पूर्व कर्मचारियों ने अपने बकाये वेतन भुगतान नहीं करने पर कंपनी को राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) के बेंगलूरु पीठ में दिवालिया कार्यवाही का मामला दायर करने के लिए नोटिस भेजा है। बैजूस ट्यूशन सेंटर दिल्ली के पूर्व गणित शिक्षक और पूर्व कर्मचारियों के प्रतिनिधि ने कहा कि बेंगलूरु की कानूनी फर्म कैनवास लीगल ने 62 कर्मचारियों की ओर से 2.30 करोड़ रुपये से अधिक का डिमांड नोटिस भेजा है। डिमांड नोटिस में कर्मचारियों को पिछले साल से बकाया वेतन तुरंत देने की मांग की गई है। कंपनी द्वारा 4 जुलाई को भेजे गए पत्र में कहा गया है, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि पत्र मिलने के 10 दिनों के भीतर बकाया परिचालन ऋण को बगैर किसी शर्त के पूरा चुकाएं और ऐसा नहीं करने पर हम थिंक ऐंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (बैजूस की मूल कंपनी) के खिलाफ ऋण शोधन अक्षमता समाधान के तहत कार्यवाही शुरू करेंगे। बैजूस के 1,500 से अधिक नाराज पूर्व कर्मचारी भी अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ने के लिए एकजुट हो गए हैं।

उनमें से अधिकतर कर्मचारी अपने बकाया राशि के भुगतान के लिए कंपनी को एनसीएलटी के बेंगलूरु पीठ ले जाने की प्रक्रिया में हैं। कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड ने हाल में थिंक ऐंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। इसमें लाड ने भी पुराने कर्मचारियों का वेतन भुगतान करने के लिए कहा था।

बजाज ने उतारी दुनिया की पहली सीएनजी बाइक फ्रीडम 125, साथ ही पेट्रोल से भी चलेगी

नई दिल्ली ।
बजाज ऑटो ने 25 साल पहले जब देश में सीएनजी से चलने वाला पहला तिपहिया उतारा था, उस समय कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी को दिल्ली की उनकी टीम ने फोन कहा कि ऑटो चालकों के एक जत्थे ने दिल्ली में कंपनी के शोरूमों के कांच तोड़ दिए हैं। दुनिया की पहली सीएनजी बाइक फ्रीडम 125 को उतारते हुए बजाज के जेहन में उसकी याद ताजा हो गई। उन्होंने कहा कि मैं हैरान हो गया क्योंकि मुझे लगा था कि सीएनजी तिपहिया चालकों के लिए बेजोड़ होगा। मगर चालक इसलिए नाराज थे क्योंकि दिल्ली में उस समय केवल एक सीएनजी पंप था और ऑटो में गैस भरवाने के लिए उन्हें 10-12 घंटे तक कतार में खड़े रहना पड़ता था। इस वजह से उन्हें सीएनजी के कारण होने वाली बचत का फायदा नहीं मिल रहा था। मगर अब तस्वीर काफी बदल चुकी है। अब भारत के 335 शहरों में 6,000 सीएनजी पंप हैं और संख्या लगातार बढ़ रही है। कंपनी के अनुसार फ्रीडम 125 तीन वैरिएंट और 7 रंगों में उपलब्ध होगी। इसकी कीमत 95,000 से 1.1 लाख रुपये के बीच होगी। फ्रीडम 125 को उद्योग की तस्वीर बदलने वाली बाइक बताते हुए बजाज ने कहा कि इस बाइक से पेट्रोल आयात, हानिकारक उत्सर्जन, पेट्रोल की ऊंची कीमतों और चार्जिंग स्टेशन खोजने की चिंता से मुक्ति मिल जाएगी। अपने 34 साल के सफर में 100वां उत्पाद उतारते हुए बजाज ने कहा कि आज मुझे अपने पिताजी की बहुत याद आ रही है। फ्रीडम 125 सीएनजी के साथ ही पेट्रोल से भी चलेगी। बाइक चलाते समय केवल एक स्विच दबाकर पेट्रोल से सीएनजी पर जा सकते हैं या सीएनजी से पेट्रोल पर आ सकते हैं।

अगले हफ्ते बाधित रहेंगीं एचडीएफसी की सेवाएं; बैंक ने बताया यह कारण, ग्राहक बरतें ये सावधानी

नई दिल्ली ।
एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को अपने आगामी सिस्टम अपग्रेड के बारे में सूचित किया है। बैंक ने बताया है कि उसकी कुछ सेवाएं इस दौरान डाउनटाइम से प्रभावित रहेंगी। बैंक के अनुसार यह तकनीकी अपग्रेड बैंक के सर्वर की गति को बढ़ाकर खुद को अधिक ट्रैफिक के लिए सक्षम बनाना है। इससे ग्राहकों के लिए बैंकिंग अनुभव बेहतर बनेगा डाउनटाइम कब होगा एचडीएफसी बैंक का निर्धारित डाउनटाइम शनिवार, 13 जुलाई, 2024 को होगा। अपग्रेड उसी दिन सुबह 3: 00 बजे शुरू होगा और शाम 4: 30 बजे समाप्त होगा। बैंक ने असुविधा को कम करने के लिए दूसरे शनिवार को बैंक अवकाश का दिन चुना है। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे अपनी बैंकिंग गतिविधियों की योजना पहले से बना लें। कौन सी सेवाएं अप्रभावित रहेंगी नकद निकासी: आप अपने एचडीएफसी बैंक डेबिट कार्ड (प्रतिबंधित सीमा तक) या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके किसी भी एटीएम से नकदी निकाल सकते हैं। खरीदारी और भुगतान : डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और यूपीआई - आप स्वाइप मशीनों पर अपने एचडीएफसी बैंक डेबिट कार्ड (प्रतिबंधित सीमा तक) या क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर सकते हैं। आप अपने एचडीएफसी बैंक डेबिट कार्ड (प्रतिबंधित सीमा तक) और क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन खरीदारी कर सकते हैं, जिसमें पेज़ैप भी शामिल है। यूपीआई सेवा: शनिवार, 13 जुलाई, 2024 को सुबह 3: 00 बजे से 3: 45 बजे तक और सुबह 9: 30 बजे से दोपहर 12: 45 बजे के बीच के समय को छोड़कर उपलब्ध रहेगी। कार्ड प्रबंधन: आप अपने कार्ड को हॉटलिस्ट कर सकते हैं, अपना पिन रीसेट कर सकते हैं और कार्ड से संबंधित अन्य गतिविधियां कर सकते हैं। व्यापारी भुगतान: व्यापारी कार्ड के माध्यम से भुगतान प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन अपग्रेड के बाद खाता अपडेट उपलब्ध होंगे। सेवाएं जो उपलब्ध नहीं होंगी एचडीएफसी बैंक खाताधारकों के लिए, निम्नलिखित यूपीआई सेवाएं सुबह 3:00 बजे से 3:45 बजे तक और सुबह 9: 30 बजे से दोपहर 12: 45 बजे तक उपलब्ध नहीं होंगी। पैसे भेजना और प्राप्त करना व्यापारी भुगतान बैलेंस पूछताछ पिन सेट करना या बदलना परेशानी से बचने के टिप्स शुक्रवार, 12 जुलाई, 2024 को शाम 7: 30 बजे से पहले अग्रिम रूप से पर्याप्त धनराशि निकाल लें।

मिडिल क्लास का सपना हो रहा साकार, 30 मझोले शहरों में आवासीय बिक्री 11 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। आवासीय मांग में वृद्धि केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 30 मझोले शहरों में भी आवासीय संपत्तियों की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर करीब 2.08 लाख इकाई हो गई। रियल एस्टेट डेटा विश्लेषक कंपनी प्रापइक्विटी ने मझोले शहरों के आवासीय बाजार पर एक रिपोर्ट जारी की। आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 में आवासीय बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 2,07,896 इकाई हो गई, जबकि 2022-23 में यह 1,86,951 इकाई थी। अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, नासिक, गांधीनगर, जयपुर, नागपुर, भुवनेश्वर, विशाखापत्तनम और मोहाली का इन 30 मझोले शहरों की कुल बिक्री में 80 प्रतिशत का योगदान रहता है। इन 10 शहरों में 2023-24 में कुल 1,68,998 आवासीय इकाइयों की बिक्री हुई, जो 2022-23 में 1,51,706 इकाई की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। अन्य मझोले शहर भोपाल, लखनऊ, गोवा, कोयंबटूर, रायपुर, विजयवाड़ा, इंदौर, कोच्चि, त्रिवेंद्रम, मैंगलोर, गुंटूर, भिवाड़ी, देहरादून, लुधियाना, चंडीगढ़, आगरा, मैसूर, सोनीपत, पानीपत और अमृतसर हैं। संपत्ति की कम कीमतों और वृद्धि की संभावनाओं के दम पर मझोले शहरों ने बड़े शहरों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। किफायती आवास के कारण इन शहरों में बढ़ते मध्यम वर्ग के लिए अपना मकान खरीदने का सपना साकार हो रहा है।

ओवरटाइम थ्रिलर में स्पेन ने जर्मनी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली।

मिकेल मेरिनो के 119वें मिनट के विजयी गोल ने टूर्नामेंट के मेजबान जर्मनी को बाहर कर दिया और स्पेन ने स्टटगार्ट के एमएचपी-एरेना में यूरो 2024 में सेमीफाइनल का टिकट कटा लिया। दोनों टीमें नियमित समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं और मैच को अतिरिक्त समय में खींच लिया गया, जहां ओल्मो के सटीक क्रॉस ने मेरिनो को निर्णायक गोल करने में मदद की। दोनों पक्षों को संघर्ष में पैर जमाने के लिए कुछ समय की आवश्यकता थी, क्योंकि कई फाउल ने खेल के प्रवाह को बाधित कर दिया था। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, स्पेन ने नियंत्रण हासिल कर लिया और लंबी दूरी के प्रयासों से मौके बनाए। हालाँकि, निको विलियम्स और फैबियन रुइज़ में सटीकता की कमी थी, जबकि लैमिन यमल ने फ्री-किक को बाहर मार दिया। जर्मनी बैकफुट पर रहा लेकिन आयमेरिक लापोर्टे और दानी ओल्मो दूर से गोलकीपर मैनुएल नेउर को मात नहीं दे सके। काई हैवर्टज़ ने स्पेन के गोलकीपर साइमन यूनाई को कार्रवाई के लिए मजबूर करने के बाद पहले हाफ के समापन चरण में जर्मनी के लिए पहला स्पष्ट अवसर पैदा किया। स्पेन ने दूसरे हाफ में शानदार शुरुआत की क्योंकि अल्वारो मोराटा बॉक्स के अंदर से टर्न शॉट के साथ लक्ष्य से चूक गए, इससे पहले ओल्मो ने अंततः 51वें मिनट में गतिरोध तोड़ दिया जब लीपज़िग के खिलाड़ी ने 14 मीटर से पहले प्रयास के साथ यमल के निचले पास को बाएं कॉर्नर में पहुंचा दिया। जूलियन नगेल्समैन के खिलाड़ियों ने तुरंत जवाब देने की कोशिश की लेकिन या तो अंतिम पास गायब था, या स्पेन की रक्षा ने आखिरी समय में गेंद को क्लीयर कर दिया। जर्मनों ने दबाव बढ़ा दिया क्योंकि साइमन ने निकेलस फुलक्रग द्वारा पोस्ट को हिट करने से पहले लक्ष्य पर रॉबर्ट एंड्रिच के शॉट को बचा लिया था। हैवर्ट्ज़ को स्कोर बराबर करना चाहिए था लेकिन उन्होंने 22 मीटर से खाली लक्ष्य के ऊपर से गेंद को निकाल दिया। स्पेन अपने क्षेत्र से बाहर नहीं निकल सका और उसने बराबरी का गोल दे दिया क्योंकि जोशुआ किम्मिच ने मुश्किल कोण से हैडर लगाकर फ्लोरियन विर्ट्ज़ को गेंद दी, जिन्होंने बराबरी का गोल दाग दिया। जर्मनी के कोच नगेल्समैन ने कहा, सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए स्पेन को बधाई। हम दूसरे हाफ में बेहतर थे और 60वें मिनट के बाद से, हम स्पष्ट रूप से बेहतर टीम थे। हमारा अंतिम लेवलर योग्य था। हमने आखिरी मौके पर विजयी गोल दे दिया। यह काफी दर्दनाक था।

न्यूज ब्रीफ

प्रज्ञानंद और गुकेश नहीं दे सके टक्कर, फैबियानो कारुआना ने सुपरबेट क्लासिक में बरकरार रखा खिताब

बुचारेस्ट । प्रज्ञानंद और डी गुकेश जैसे शीर्ष भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रभावित नहीं कर सके और इन्हें चार खिलाड़ियों के बीच खेले गए टाइब्रेकर में हार का सामना करना पड़ा। वहीं, दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारुआना ने तीनों रैपिड गेम जीतकर सुपरबेट क्लासिक में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। कारुआना क्लासिकल प्रारूप में नीदरलैंड के अनीश गिरी से हार गए, जिससे मुकाबला रोचक बन गया क्योंकि गुकेश, प्रज्ञानंद और फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा सभी उनकी बराबरी पर पहुंच गए। प्रज्ञानंद मुख्य बाजी में अलीरेजा के सामने एक समय बेहद मुश्किल स्थिति में फंसे हुए थे। यदि फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लासिकल दौर की इस बाजी को जीत जाता तो फिर वह कारुआना से आगे निकल जाते और विजेता का फैसला करने के लिए टाइब्रेकर की जरूरत नहीं पड़ती, लेकिन कारुआना हार गए, जबकि गुकेश और प्रज्ञानंद ने अपनी अपनी बाजियां ड्रॉ खेली जिससे विजेता का फैसला करने के लिए चार खिलाड़ियों के बीच टाइब्रेकर की स्थिति बन गई। कारुआना ने दिखाया कि आखिर उन्हें क्यों टाइब्रेकर का मास्टर कहा जाता है। उन्होंने साबित कर दिया कि वे युवा पीढ़ी से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

वर्ल्ड मास्टर्स लीग अगले माह होंगी रोड्स को बनाया गया ब्रांड एंबेसडर

जोहांसबर्ग । यहां अगले माह अगस्त में होने वाली वर्ल्ड मास्टर्स टी20 लीग 2024 के लिए पूर्व

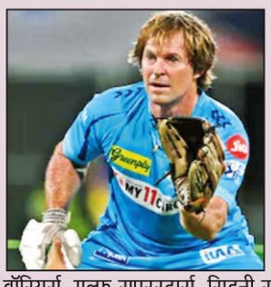

क्रिकेटर जॉंटी रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के किंग्समीड स्टेडियम में होने वाली इस लीग में कुल 6 टीमें इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स, गल्फ सुपरस्टार्स, सिडनी स्पार्टन्स, कोलंबो टाइटन्स, लाहौर लायंस और कैरेबियन पाइरेट्स शामिल होंगी। इसमें दक्षिण अफ्रीका , ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान के अलावा भारतीय क्रिकेटर भी भाग लेंगे। महानतम वर्ल्ड मास्टर्स लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर रोड्स ने खुशी जताते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट दुनिया भर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने का काम कर रहा है, ऐसे में इसका हिस्सा होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। साथ ही कहा कि बेहतरीन खिलाड़ियों से सजे इस टूर्नामेंट का प्रचार करने के लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं। रोड्स ने साल 1992 से 2003 तक दक्षिण अफ्रीका की तरफ से 52 टेस्ट और 245 एकदिवसीय मैच खेले हैं। टेस्ट में 35.66 और एकदिवसीय में उनके नाम 35.11 के बल्लेबाजी औसत के साथ ही 8,000 से अधिक रन हैं। रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाने के बाद लीग के सीईओ राजीव मिश्रा ने कहा कि हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि रोड्स इस लीग के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस लीग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हर्शल गिब्स भी नजर आयेंगे।

ईशान ने हार्दिक को चैंपियन बताया, प्यार से गले मिले

मुम्बई । क्रिकेटर ईशान किशन टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद घर पहुंचे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या से मिलने उनके घर पहुंचे और उन्हें गले लगा लिया। ईशान और हार्दिक आईपीएल में भी एक साथ खेलते आये हैं। इन दोनो का ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। इसमें ईशान पंड्या के घर पहुंचने के बाद उनसे गले मिलते और उन्हें चूमते दिखाई दे रहे हैं। ईशान ने वीडियो के साथ लिखा, पिछले कुछ महीनों में आपने बहुत सी मुश्किल चीजों का सामना किया, फिर भी आप शांत बने रहे। वहीं आज आपको अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और निष्ठा का परिणाम विश्वकप में मिला है। मैं और भी बहुत कुछ महसूस करता हूं और कहना चाहता हूं लेकिन शब्द कम पड़ जाएंगे। आप एक चैंपियन हैं। इससे पहले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के दौरान पंड्या ने कहा कि भारतीय टीम टी20 क्रिकेट विश्व कप फाइनल के दौरान शांत थी और उसे हमेशा विश्वास था कि वे जीत सकते हैं। हार्दिक ने कहा कि पिछले 6 महीने मेरे जीवन में बहुत सारे उतार-चढ़ाव रहे हैं और प्रशंसकों की नाराजगी भी झेलनी पड़ी पर मुझे हमेशा लगा कि अगर मैं कोई जवाब दूंगा तो वह खेल के माध्यम से होगा। इसलिए मैंने अपने खेल पर ध्यान दिया।

यूरो कप 2024 में फ्रांस से पेनल्टी शूटआउट में हारकर बाहर हुई पुर्तगाल, अब स्पेन से सामना

बर्लिन।

फ्रांस की टीम यूरो कप 2024 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। उसने मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल की टीम को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हरा दिया। इस हार के साथ पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई, जबकि फ्रांस की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। अब उसका सामना अंतिम-4 में स्पेन से होगा। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर छूटा था।

120 मिनट तक दोनों में से कोई भी टीम गोल करने में नाकाम रही थी। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में मैच गया। इससे पहले पुर्तगाल और फ्रांस दोनों ने ही कुछ आसान मौके गंवाए थे। पुर्तगाल के लिए विटिन्हा और ब्रूनो फर्नांडीस ने मौके बनाए, लेकिन पुर्तगाल की टीम फायदा नहीं उठा सकी। फ्रांस के गोलकीपर मैगनन ने कुछ शानदार बचाव किए।

फ्रांस की ओर से कोलो मुआनी ने गोल की कोशिश की, लेकिन पुर्तगाल के डिफेंडर रुबेन डियास ने गोल बचाने वाला ब्लॉक किया। एक्स्ट्रा टाइम में दोनों ही टीमें डिफेंसिव अप्रोच के साथ उतरी थीं। काउंटर अटैक करने की जगह दोनों टीमें गोल बचाने पर ध्यान दे रही थीं। पुर्तगाल के नूनो मेंडीज के पास एक्स्ट्रा टाइम में गोल करने का मौका था, लेकिन बॉक्स के कोने से उनके शॉट को रोक लिया गया।

इसके बाद पेनल्टी शूटआउट की शुरुआत हुई। फ्रांस की टीम ने पहले किक लिया। उसमान डेम्बेले ने गोल दाग उन्हें 1-0 से आगे कर दिया। पुर्तगाल की ओर से रोनाल्डो ने पहला शॉट लिया और गोल दाग स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। फ्रांस की ओर से दूसरा शॉट यूसुफ फोफाना ने लिया और स्कोर 2-1 कर दिया। पुर्तगाल की ओर से बर्नार्डो सिल्वा आए और स्कोर 2-2 कर दिया। फ्रांस की ओर से तीसरा शॉट जूल्स कूंडे ने लिया और स्कोर 3-2 कर दिया। पुर्तगाल की ओर से जोआओ फेलिक्स शॉट लेने आए और चूक गए। स्कोर 3-2 ही रहा। फ्रांस की ओर से चौथा शॉट ब्रैडली बार्कोला ने लिया और स्कोर 4-2 कर दिया। पुर्तगाल की ओर से नूनो शॉट लेने आए और स्कोर 4-3 कर दिया। फ्रांस के थियो हर्नांडीज पांचवां शॉट लेने आए और उनके पास अपनी टीम को जिताने का मौका था और उन्होंने गोल दाग फ्रांस की टीम को 5-3 से जीत दिला दी। फ्रांस की टीम छठी बार यूएफा यूरो कप का फाइनल खेलेगी।

उनसे ज्यादा बार सेमीफाइनल जर्मनी ने खेला है। जर्मनी की टीम ने आठ बार सेमीफाइनल खेला है। फ्रांस की टीम पिछले पांच में से चार मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। इनमें विश्व कप और यूरो कप शामिल हैं। 2020 यूरो कप में यह टीम राउंड ऑफ-16 से बाहर हो गई थी। पुर्तगाल की टीम किसी मेजर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर सिर्फ दो बार हारी है। इनमें साल 2022 फीफा विश्व कप और 2024 यूरो कप शामिल है। इसके अलावा बाकी छह क्वार्टर फाइनल में टीम ने जीत हासिल की थी। यह पुर्तगाल के महान डिफेंडर पेपे का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच भी था।

स्पेन सेमीफाइनल में, मेजबान जर्मनी बाहर

माइकल मेरिनो के अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में मेजबान जर्मनी को 2-1 से पराजित करके यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। जब मैच पेनल्टी शूटआउट की तरफ बढ़ रहा था तब स्थानापन्न खिलाड़ी मेरिनो ने 119वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई। मेरिनो ने गोल करने के बाद कॉर्नर फ्लैग के पास उसी तरह से जश्न मनाया जैसे उनके पिता मिगुएल मेरिनो ने 1991 में यूएफा कप में इसी स्टेडियम में खेले गए मैच में ओसासुना की तरफ से स्टुटगार्ट के खिलाफ गोल करने के बाद मनाया था।

संन्यास के बाद कमेंट्री और कोचिंग करेंगे एंडरसन

लंदन ।

इंग्लैंड के सबसे अनुभवी और उम्रदराज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि वह सन्यास के बाद टेलीविजन पर अपने विचार रखने के साथ ही कोचिंग आदि करेंगे। 41 साल के एंडरसन ने मई में ही घोषणा कर दी थी कि वह 10 जुलाई को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट खेलेंगे। एंडरसन ने कहा है कि है कि वह अपने करियर को अलविदा कहने के बाद टेलीविजन पर अपने विचार रखने के साथ ही कोचिंग आदि करेंगे। साथ ही कहा कि अभी वह इस बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कह सकते। उन्होंने कहा, मैं नहीं जानता कि आगे क्या होगा पर मुझे खेल के बारे में बात करना पसंद है। मुझे गेंदबाजी के बारे में बात करना और इसके तकनीकी पक्ष में को लेकर आगे बढ़ना होगा। मैंने टीवी और रेडियो पर कमेंट्री की है, इसलिए मैं शायद ये दोनो पेशे ही अपनाउंगा। इससे पहले इंग्लैंड के प्रबंध निदेशक रॉब ने कहा था कि एंडरसन मेंटर की भूमिका में टीम के साथ बने रहेंगे। रॉब के अनुसार प्रशंसक आगे भी एंडरसन को मेंटर के रूप में टीम के साथ देखेंगे। रॉब ने कहा, एंडरसन हमारे सेट-अप में बने रहेंगे, और वह मेंटर के रूप में मदद करेंगे। हम एक बेहतरीन कोच विकास कार्यक्रम स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे एंडरसन करना चाहते हैं, इसपर हम गर्मियों के अंत में इस पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा, उनके पास खेल को देने के लिए बहुत कुछ है, इसलिए हम उसे जाते हुए नहीं देखना चाहते हैं पर लॉर्ड्स में उनके बाहर होने से यह काफी बड़ा अवसर होगा। एंडरसन ने संन्यास को लेकर कहा, यह एक अजीब एहसास है जब आप 20 साल तक कुछ करते हैं और फिर अचानक आपको कुछ और करना पड़ता है। टेस्ट क्रिकेटर के रूप में उन्हें जो चीजें नहीं मिलीं उनके बारे में एंडरसन ने कहा कि उन्हें टेस्ट हैट्रिक और शतक बनाना बहुत अच्छा लगता। एंडरसन ने कहा कि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का उन पर सबसे अधिक प्रभाव रहा है, क्योंकि उन्होंने उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में बहुत स्पष्टता दी। उन्हें अपने पूर्व कप्तान की तीव्रता और दृढ़ता भी पसंद थी। इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने स्विंग के साथ-साथ रिवर्स स्विंग में विशेषज्ञता के साथ ही लाल गेंद के क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाया है।

रोहित, सूर्यकुमार सहित मुम्बई के चार क्रिकेटरों का महाराष्ट्र विधान भवन में सम्मान हुआ

मुंबई ।

टी20 विश्वकप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल मुम्बई के क्रिकेटरों कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे का महाराष्ट्र विधान भवन में शानदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 11 करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की भी घोषणा की। शिंदे ने अपने भाषण में विश्व कप में पाकिस्तान पर मिली जीत के अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में सूर्यकुमार के कैच की जमकर प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने मुंबई पुलिस की भी विजय परेड को शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित करने के लिए प्रशंसाक की।। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और देवेंद्र फडनवीस भी उपस्थित थे।

पवार ने रोहित के टी20 से संन्यास को लेकर कहा कि हमें आपकी कमी खलेगी पर हम आपको और आपकी उपलब्धियों को हमेशा ही याद रखेंगे। वहीं फडनवीस ने कहा कि रोहित का नाम अब हमेशा के लिए क्रिकेट इतिहास में लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि रोहित ने हमें एक ही दिन में अच्छी और बुरी खबर दोनों दीं। उन्होंने टी 20 विश्व कप जीता पर साथ ही टी 20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में संन्यास की घोषणा भी कर दी।

वहीं रोहित ने कहा कि फाइनल में सभी के प्रयासों से टीम को जीत मिली। इतने लंबे इंतजार के बाद क्रिकेट विश्व कप भारत लाकर हमने जो सपना देखा था वह सच हो गया। यह टीम प्रयासों का ही परिणाम था। वहीं मजाकिया लहजे में कहा कि सूर्यकुमार ने सभी से कहा कि वह भाग्यशाली रहे कि गेंद उन्होंने पकड़ ली । अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो उसे अगले मैच में नहीं रखते। सूर्यकुमार और शिवम दुबे ने कहा कि हमें जिस प्रकार का सम्मान मिला है उसे हम भुला नहीं पायेंगे।

नीरज चोपड़ा की मां ने कहा, पीएम मोदी को इस बार देशी घी और शक्कर से बना खास चूरमा खिलाएंगे

नई दिल्ली।

पेरिस ओलंपिक 2024 के आयोजन में अब कुछ ही दिन बचे हैं। यह 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा, इसके लिए 120 सदस्यीय भारतीय दल रवाना हो रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा समेत सभी एथलीटों से मुलाकात की।

पीएम मोदी ने पेरिस ओलंपिक के लिए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। इस बार ओलंपिक में भारतीय दल का नेतृत्व करने जा रहे नीरज चोपड़ा से उन्होंने खाने की खास डिमांड भी की। पीएम मोदी ने गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा से उनकी मां के हाथों से बना चूरमा खाने के लिए कहा। नीरज ने ओलंपिक से लौटकर पीएम मोदी को मां के हाथ का बना खास चूरमा खिलाने का वादा किया।

पीएम मोदी से मुलाकात पर नीरज चोपड़ा की मां ने खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि परमात्मा ने अगर चाहा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देशी घी और शक्कर से बना खास चूरमा खिलाएंगे। पहले भी चूरमा स्पेशल था, लेकिन इस बार उससे भी ज्यादा खास चूरमा पीएम मोदी के लिए भेजेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि नीरज इस बार भी गोल्ड मेडल जीतेगा। नीरज चोपड़ा के पिता सतीश चोपड़ा ने भी अपनी भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नीरज की तैयारी बहुत बढ़िया है। उनकी इंजरी अब पूरी तरह

से ठीक हो चुकी है, जिसकी वजह से उन्हें दो तीन इवेंट छोड़ना पड़ा था। उसने मुझसे कहा है कि वो देश की शान के लिए खेल में 100 प्रतिशत देगा। इसके लिए वो लगातार 7 से 8 घंटे अभ्यास कर रहा है। नीरज ने कहा है कि वो देश को गोल्ड मेडल जिताने के लिए जान लगा देगा। पीएम मोदी से नीरज चोपड़ा की मुलाकात पर उनके चाचा भीम चोपड़ा ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एक अच्छे प्रशासक के अलावा अच्छे इंसान भी हैं। वो हर खिलाड़ी को बराबर का सम्मान देते हैं। अभी हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय टीम से मिलकर उन्हें बधाई दी। ओलंपिक खिलाड़ियों का भी उन्होंने हमेशा हौसला बढ़ाया है। नीरज की तैयारी बहुत अच्छी चल रही है। उन्होंने कहा है कि बढ़िया खेल कर देश का नाम रोशन करुंगा। यह परिवार के लिए बड़े ही गौरवशाली पल होंगे, जब नीरज भारतीय दल का नेतृत्व करेगा। अब उसके कंधों पर देश की जिम्मेदारी बढ़ गई है। मुझे उम्मीद है कि इस बार ओलंपिक में हमारे मेडल ज्यादा आएंगे। नीरज और हमारे सभी खिलाड़ियों को फिर से पीएम मोदी से मुलाकात कर उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा।

साइना नेहवाल बोलीं- पिछले छह सात महीनों के नतीजों से किसी खिलाड़ी का आकलन नहीं कर सकते

नई दिल्ली।

लंदन ओलंपिक की कांस्य विजेता साइना नेहवाल ने दो बार की पदक विजेता पी वी सिंधू का समर्थन करते हुए कहा कि पेरिस ओलंपिक में पदक के लिए उनके हालिया प्रदर्शन को पैमाना नहीं बनाया जाना चाहिये और वह समय पर लय हासिल कर लेंगी। साइना ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की संभावना काफी हद तक फिटनेस और अभ्यास पर निर्भर करेगी।

सिंधू फ्रांस की राजधानी में अपने लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए प्रयास करेंगी। सिंधू ने घुटने की चोट से उबरने के बाद इस साल फरवरी में खेल में वापसी की है। चोट से वापसी के बाद सिधू के खेल में निरंतरता कमी रही है। वह इस दौरान सिर्फ मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 के फाइनल में पहुंची है और शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ उन्हें संघर्ष करना पड़ा है।

साइना ने कहा, आप पिछले छह सात महीनों के नतीजों से किसी भी खिलाड़ी का आकलन नहीं कर सकते। सिंधू कई वर्षों से वास्तव में अच्छा खेल रही है और उसके पास काफी अनुभव है। यह सिर्फ इतना है कि उस विशेष टूर्नामेंट में क्या होता है, यह उस समय पर निर्भर करेगा जब आयोजन शुरू होगा। पिछले छह सात महीने में वह ज्यादा मैच नहीं जीती है लेकिन यह मुकाबले काफी करीबी रहे हैं।

उन्होंने कहा, कई बार जीत या हार आपकी लय को नहीं दिखाते हैं लेकिन आप कभी भी इसे

हासिल कर सकते है। शीर्ष स्तर पर सभी खिलाड़ी वास्तव में कड़ी मेहनत करते हैं। मुझे यकीन है कि सिंधू लय और पदक हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत पूरी कोशिश कर रही होंगी। सिंधू के लिए पिछले कुछ समय में सबसे ज्यादा परेशानी की बात यह रही है कि वह मैच पर पकड़ बनाने के बाद उसे जीत में नहीं बदल पा रही है।

सिंधू इस समय जर्मनी के सारब्रुकन में ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को को अंतिम रूप दे रही हैं। साइना ने कहा कि ऐसी चिंताओं (अच्छी स्थिति से मैच हारना) से छुटकारा पाने के लिए अभ्यास ही एकमात्र समाधान है। उन्होंने कहा, इन खामियों को अभ्यास से ही दूर किया जा सकता है। आपके अभ्यास में कमी है तो कोई भी खिलाड़ी आपको हरा सकता है लेकिन अगर अपने अच्छे से प्रशिक्षण लिया है तो ऐसी चीजें कम होंगी। यह वास्तव में मायने रखता है।

साइना ने कहा कि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल के पास पेरिस में स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है। हैदराबाद की इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, पुरुष युगल में हमारे पास स्वर्ण जीतने की बहुत मजबूत संभावना है।

उन्होंने कहा, पुरुष एकल बहुत मुश्किल है क्योंकि उनमें से 10-11 खिलाड़ी समान स्तर पर हैं। मुझे यकीन है कि हम परिणाम केवल उस विशेष तारीख पर ही जान पाएंगे क्योंकि आप कभी नहीं जानते कि एक खिलाड़ी उस टूर्नामेंट में कैसा खेलेगा। पेरिस ओलंपिक में पुरुष एकल में एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन भारत की कमान संभालेंगे। घुटने की चोट के कारण पिछले साल जून में सिंगापुर ओपन के पहले दौर से बाहर होने के बाद से साइना ने कोई टूर्नामेंट नहीं खेला है। साइना ने कहा कि वह वापसी की कोशिश कर रही है लेकिन घुटने की चोट से हाल फिलहाल में ऐसा संभव नहीं है।

इन पांच प्रकार के लोगों से कभी खुश नहीं होती देवी मां

देवी की उपासना कर हर कोई मां को खुश करना चाहता है। कहा जाता है कि देवी मां हर किसी की मुराद पूरी करती हैं। ज्योतिषों की मानें तो देवी की उपासना एवं पूजा-आराधना करने से पहले लोगों को अपने इन दोषों को दूर करना चाहिए। तभी उन्हें मां आशीर्वाद मिलता है:

1. माता-पिता, पितर, गुरु और अतिथि का अनादर करने वालों परः जो लोग घर में अपने माता-पिता का आदर नहीं करते उनसे देवी कभी खुश नहीं होती। इसके अलावा अपने गुरू और घर में आए मेहमान का अपमान करने वाले इंसान से भी देवी हमेशा नाखुश रहती हैं।
2. झूठी गवाही देने वाले और विश्वासघात करने करने वालों परः जो लोग दूसरों को धोखा देते हैं या फिर किसी के लिए झूठी गवाही देते हैं इस तरह के लोगों को देवी मां की कृपा नहीं मिल पाती।
3. घर में नित्य कलह करने वालों पर और स्त्रियों का अपमान करने वालों सेः जो लोग घर में हमेशा कलह करते हैं और स्त्रियों का सम्मान नहीं करते उनसे भी देवी मां कभी खुश नहीं होती।
4. सूर्योदय और सूर्यास्त के समय सोने वालों परः जो लोग सुबह सूर्यादय और सूर्यास्त के समय सोते हैं उनसे देवी कभी कुश नहीं होती। इसलिए सुबह सूर्यादय और सूर्यास्त के समय कभी सोना नहीं चाहिए। पंडित दिवाकर त्रिपाठी के अनुसार यह समय भगवान के स्मरण का होता है इसलिए इस समय सोने के बजाए भगवान का स्मरण करना चाहिए।
5. क्रोध, घमंड करने वालों, गंदे कपड़े पहनने वालों परः जो लोग घमंड करते हैं और गुस्सा करते हैं और साफ कपड़े नहीं पहनते उनसे देवी नाराज रहती हैं।

ज्यादा सेल्फी लेने से हो सकता है त्वचा को नुकसान

लोगों में आजकल सेल्फी लेने का चलन जोरों पर है। सेल्फी के लिए लोगों की दीवानगी देखते ही बनती है। सेल्फी लेने के चक्कर में अपनी जान गंवाने वालों के बारे में तो आपने बहुत सुना ही होगा लेकिन आज हम आपको सेल्फी से होने वाले ऐसे नुकसान के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे सुनकर आप सेल्फी लेने से घबराने लगेंगे। जीं हां दुनिया के कई मशहूर डर्मटोलॉजिस्ट ने इस बात की चेतावनी जारी की है कि ज्यादा सेल्फी लेना आपकी त्वचा को नुक्सान पहुंचा सकता है।

ज्यादा सेल्फी लेने के नुकसान

त्वचा विशेषज्ञों का मानना है कि चेहरे पर लगातार स्मार्टफोन की लाइट और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन का जोखिम त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर झुर्रियां भी बढ़ सकती है। ज्यादा सेल्फी लेने से आपकी त्वचा की उम्र तेजी से बढ़ने लगती है और आप समय से पहले बूढ़े लगने लगते हैं।

शोधकर्ताओं के अनुसार फ्लैश लाइट और स्क्रीन से चेहरे पर पड़ने वाली ब्लू लाइट त्वचा के लिए काफी नुकसानदायक है। इसी के साथ बताया कि ब्लॉगर्स और ज्यादा सेल्फी लेने वालों को अब जल्दी ही संभल जाना चाहिए।

त्वचा पर सेल्फी का असर

एक्सपर्ट्स के अनुसार इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियेशन आपकी त्वचा में मौजूद डीएनए पर बुरा असर डालता है। इस रेडियेशन के चलते शरीर की स्किन रिपेयरिंग की क्षमता पर भी काफी बुरा असर पड़ता है जिससे समय से पहले झुर्रियां दिखनी शुरू हो जाती हैं और माना जाता है कि किसी भी तरह की क्रीम या सनस्क्रीन इससे बचाव नहीं कर सकती। हालांकि एक अच्छा स्क्रब त्वचा के सेहत काफी अच्छी रख पाता है। त्वचा विशेषज्ञों का कहना हैं कि आप त्वचा को बाहर से हाइड्रेट नहीं कर सकते यानि उसकी पानी की जरूरत को बाहर से पूरा नहीं कर सकते। ये जरूरत अंदर से ही पूरी की जा सकती है।

जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो।

हृदय में प्रेम का अंकुर जरूरी...

प्रेम शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं। मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। प्रह्लाह का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है। इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाई गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाई जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है। उत्तर सुनकर गोसाई जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते। तुम किसी और गुरू को ढूंढ लो। भक्ति मार्ग में प्रेम ही प्रधान है। जो प्रेम संसार से होता है, दीक्षा शिक्षा से उसी को पलटकर भगवान में लगा दिया जाता है। जब तुम्हारे हृदय में कहीं प्रेम है ही नहीं तो भगवान के प्रेम से भला कैसे सराबोर हो सकते है।

धर्म क्या है?

कुछ लोग कहते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति का धर्म अलग है, जैसे राजा का धर्म है प्रजा का ध्यान रखना। सैनिक का धर्म है युद्ध लड़ना, व्यापारी का धर्म है व्यापार करना। जब हम धर्म की परिभाषा इस तरह से करते हैं तो सवाल उठता है कि क्या चोर का धर्म है चोरी करना? फिर तर्क दिया जा सकता है कि नहीं, जो नीति-नियम सम्मत आचरण है वही धर्म है। अर्थात नैतिकता का ध्यान रखा जाना जरूरी है, तो सिद्ध हुआ की नीति ही धर्म है? श्रेष्ठ आचरण ही धर्म है? यदि ऐसा है तो दांत साफ करना नैतिकता है, लेकिन दांत साफ करना हिंसा भी है, क्योंकि इससे हजारों किटाणुओं की मृत्यु हो जाती है। जो आपके लिए नैतिकता है वह हमारे लिए अनैतिकता हो सकती है। धर्म के लिए हजारों लोगों की हत्या भी कर दी जाए तो वह नीति है उसे आप धर्मयुद्ध कहते हैं। तब हम कैसे मान लें की नीति या नैतिकता ही धर्म है? या फिर आप नैतिकता के नाम पर जो-जो गलत है उसे अलग हटाइए। इस नजरिए से वैदिक ऋषियों का विचार सबसे ज्यादा उपयुक्त लगता है कि सृष्टि, धर्म और स्वयं के हित और विकास में किए जाने वाले सभी कर्म धर्म हैं।

धर्म का मर्म

रहस्य यह है कि सभी आध्यामत्मिक पुरुषों ने अपने अपने तरीके से आत्मज्ञान प्राप्त करने और नैतिक रूप से जीने के मार्ग बताए थे। वेद, पुराणों, सभी धर्म ग्रंथों के अनुसार असल में धर्म का अर्थ सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्ति का मार्ग माना जाता है। लेकिन समाज के ठेकेदारों ने धर्म के अर्थ को अधर्म का अर्थ बनाकर रख दिया है। आप लाख कितना ही किसी को भी समझाओं की दुनिया के सारे संप्रदाय एक ही तरह की शिक्षा देते हैं। उनका का इतिहास भी सम्मलित है, लेकिन फिर भी वे दूसरे के संप्रदाय से नफरत ही रखेंगे। इसका सीधा सा कारण है प्रत्येक अधार्मिक व्यवस्थाओं को धर्म मान लिया गया है। धर्म को परिभाषित करना उतना ही कठिन है जितना ईश्वर को। हिन्दू धर्म में धर्म को एक जीवन को धारण करने, समझने और परिष्कृत करने की विधि बताया गया है। धर्म ग्रंथो, पुराणो में व्याप्त कथाओं का अनुसरण कर ही हम अपने धर्म को भलीभांति जान सकते हैं। बहु-प्रचलित कथाओं के अनुसरण के आधार पर देखते हैं कि वह कथा हमें क्या शिक्षा देती है।

धर्म का अर्थ सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्ति का मार्ग माना जाता है। देव, दानव, मनुष्य, पशु, पक्षी, इस सृष्टि में व्याप्त प्राणी मात्र में प्रेम का भाव ईश्वरीय देन है। इस आधार पर प्रेम ही सत्य है, प्रेम ही शाश्वत है। सच्चे प्रेम में एक दूजे से सत्य बोलना और सच्चाई और ईमानदारी से अपने साथी का साथ निभाने का गुण होता है। यही उनके प्रेम की सत्यता को प्रमाणित करने का प्रथम आधार होता है। प्रेम तो बस प्रेम मांगता जिससे भी हम प्रेम करते है उसकी खुशी, उसका साथ चाहता है। प्रेम मे तो वह दिव्य शक्ति है, जो हिंसक को भी अहिंसक बना दे। प्रेम हिंसा का नहीं, अपितु अहिंसा का मार्ग है। प्रेम निश्चित रूप से सिर्फ और सिर्फ आपस में एक दूजे से प्रेम करने वाले, जीवन भर के लिए एक दूजे का साथ पाने की सुखद अनुभूतियों व सपनों को जीने की इच्छा रखने वाले दो प्रेमियों के जीवन को प्रभावित करता है। विरह की वेदना प्रेमियो को तोड़कर रख देती है। वही अपने प्रेम को पाने की खुशी उसे ऊर्जा व विश्वास से भर देती है। अपने प्रेम को पाना, अपने प्रेमी का साथ पाना किसी भी तरह से किसी के साथ अन्याय नहीं है। हम जिससे प्रेम करते है उसका साथ पाने के लिये किया गया हर कर्म अपने साथी के साथ न्याय है। इस आधार पर प्रेम न्याय है। अर्थात निश्चित रूप से दो प्रेम करने वालो को अलग करना अन्याय है।

मुक्ति का मार्ग

प्रेम तो प्रेम है

प्रेम तो प्रेम ही है। बिना किसी दुर्भावना के निश्छलता के साथ अपने साथी की खुशी व साथ निभाने के लिये किया गया प्रेम ही वास्तविक प्रेम है। धर्म ग्रंथो में प्राणी मात्र के प्रति प्रेम व करुणा का भाव रखने की बात कही गई है। निश्चित रूप से आपका प्रेम भी इस सृष्टि का ही हिस्सा है। कुछ लोग कहेंगे कि यह तो ईश्वर के प्रति प्रेम के बारे में होगा। प्रेम तो प्रेम ही होता है। प्रेम तो हृदय से उत्पन्न भाव है। हृदय के भाव तो किसी के भी प्रति हो सकता है। ईश्वरीय प्रेम और मानवीय प्रेम में भेद नही किया जा सकता है। फिर प्राणीमात्र के प्रति समानता का भाव रखना भी तो धर्म ही है। सबसे महत्वपूर्ण तो बात यह है कि धर्मग्रंथों में व्याप्त कथाओं में कही भी केवल ईश्वर के प्रति प्रेम की बात नहीं कही गई। कथाओं में सती का शिव के प्रति हो या पार्वती का शिव के प्रति या फिर राधा का कृष्ण के प्रति या रुक्मिणी का गोविन्द के प्रति हर जगह प्रेम एक प्रेमिका का उसके प्रेमी के प्रति ही दर्शाया गया न कि भगवान के रूप में या भगवान के प्रति दर्शाया गया।

प्रेम सर्वोपरि

धर्म का व्यक्तिगत स्वतंत्रता वाला पहलु प्राणिमात्र को अपनी स्वेच्छा से जीवन जीने व अपना जीवनसाथी चुनने व प्रेम करने का अधिकार देता है। सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ प्रेम पूर्वक अपनों - परायों में भेद भाव न कर समानता से न्याय की बात करना। प्राणिमात्र के प्रति दया व करुणा का भाव रखते हुए। ईमानदारी के साथ हंसी खुशी अंतिम सांस तक जिंदादिली के साथ जीवन जीने पर ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

धर्म ग्रंथो में प्रेम का स्थान सर्वोपरि बताये जाने को जितना जाना, समझा गया है उस आधार पर तो यही कारण नजर आता है। धर्म के हर पहलु को लिए हुए होने के कारण ही शिव-शक्ति, राधा-कृष्ण, श्याम-रुक्मणि, अनेक महापुरुषों और ऋषि मुनियों ने प्रेम का गुणगान किया ।

संत कबीर का दोहा भी प्रेम की इसी विशालता व सर्वोपरिता को दर्शाता है ।

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय,
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।

यानी बड़ी बड़ी पुस्तकें पढ़ कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुंच गए, पर सभी विद्वान न हो सके। कबीर मानते हैं कि यदि कोई प्रेम या प्यार के केवल ढाई अक्षर ही अच्छी तरह पढ़ ले, अर्थात प्यार का वास्तविक रूप पहचान ले तो वही सच्चा ज्ञानी होगा।

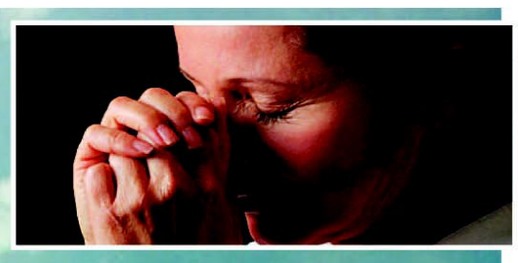

जहां ज्ञान हारा और भक्ति जीती...

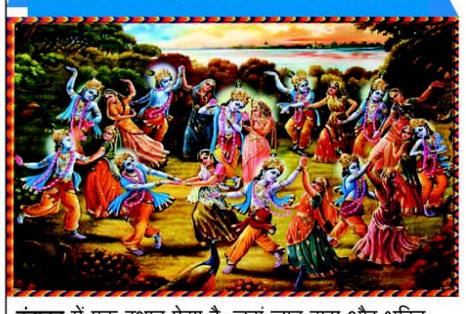

वृंदावन में एक स्थान ऐसा है, जहां ज्ञान हारा और भक्ति जीती। इस प्रसंग ने लोक मानस में यह बैठाया कि ज्ञानार्जन से अधिक ज्ञानानुभव महत्वपूर्ण होता है। बुद्धि से ज्यादा भावनाएं प्रमुख होती हैं। मस्तिष्क से अधिक दिल की बात सुननी चाहिए। इस स्थान को ज्ञान गूदड़ी कहते हैं। लोक में यह प्रसंग उद्धव-गोपी संवाद के रूप में जाना जाता है। भक्तिकालीन कवियों ने इस प्रसंग से यह स्थापित किया कि भगवान को पाने का सबसे सहज और सरल मार्ग भक्ति का है। शास्त्रों-पुराणों में यह प्रसंग नाम मात्र है। महाकवि सूरदास ने इस प्रसंग को विस्तार दिया। बात उस समय की है जब- कृष्ण गुरु संदीपन के यहां ज्ञानार्जन के लिए गये थे तब उन्हें ब्रज की याद सताती थी। वहां उनका एक ही मित्र था उद्धव, वह सदैव ज्ञान-नीति की, निर्गुण ब्रह्म और योग की बातें करता था। श्रीकृष्ण का उद्धव से परिचय मथुरा में हुआ। उद्धव हर संदर्भ में नीतियों का सहारा लेते। परिणामस्वरूप उनसे बात करने वाला निरुत्तर रह जाता। उनके गहन अध्ययन और विद से प्रभावित लोग उन्हें देवताओं के गुरु बृहस्पति का शिष्य मानते। पहले परिचय में ही उद्धव ने अपनी ज्ञानपूर्ण बातों से श्रीकृष्ण को प्रभावित किया। श्रीकृष्ण को यह अनुभूति थी कि उद्धव को ज्ञान का गर्व है। शंका निवारण के लिए श्रीकृष्ण ने युक्ति निकाली। एक दिन उन्होंने उद्धव से बात करते हुए कहा कि मैं मानता हूं कि ज्ञान का मार्ग सर्वोत्तम है। ज्ञान से व्यक्ति के मोहपाश खुल जाते हैं। माया के बंधनों से उसे मुक्ति मिल जाती है। इस तरह मोह-माया उसे दुःख नहीं पहुंचाते। उद्धव को अपनी बात गंभीरता से सुनते देख गंभीर लंबी सांस लेकर श्रीकृष्ण ने कहा- उद्धव जी, क्या यह संभव है कि आप ब्रज जाकर गोपियों को समझाएं। उन्हें बताएं कि दुनिया का सार ज्ञान है, प्रेम नहीं। ज्ञान से प्राप्ति होती है, भावनाओं से नहीं। ज्ञान से शांति मिलती है, जबकि प्रेम अशांत करता है। ज्ञान दुखों से ऊपर उठाता है और प्रेम दुखों में डुबोता है। ज्ञान समस्याओं का अंत है और प्रेम दुखों का आरंभ। श्रीकृष्ण की बात सुनकर उद्धव के भीतर ज्ञानजन्य गर्व हिलोरें लेने लगा। उन्होंने ब्रज जाकर गोपियों को समझाने की बात मान ली। उन्होंने श्रीकृष्ण को आश्वासन दिया कि वे गोपियों को समझाकर कुछ दिन में ही लौट आएंगे। श्रीकृष्ण का संदेश लेकर उद्धव वृंदावन पहुंचे। उद्धव के आगमन का समाचार पूरे ब्रज में फैल गया। नंद बाबा के घर कुछ समय बिताने के बाद उद्धव गोपियों से मिलने पहुंचे। उद्धव ने देखा गोपियां बेहाल हैं। उद्धव को यह सब विचित्र लगा। गोपियों की दशा पर वे मन ही मन मुस्कुरा उठे। ज्ञान गर्व पीड़ित हो उन्होंने आंखें मूंद लीं। आगे बढ़ने पर उन्हें सखियां से घिरी राधा दिखीं। अपूर्व सौंदर्य, सौंदर्य से अभिभूत उद्धव ने अपने को कृष्ण सखा बताकर राधा को प्रणाम किया। उद्धव ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि मैं आपके लिए उनका संदेश लाया हूं। वह सोच रहे थे कि श्रीकृष्ण का संदेश सुनते ही गोपियां, मां यशोदा और नंदबाबा की तरह आनंद से भर उठेंगी। लेकिन राधा तो लगता है मद में हैं। उन्हें किसी की चिंता ही नहीं। उद्धव के अभिमान ने करवट ली। उनके मन ने कहा-अपने ज्ञान से वे कितने मूर्खों का जीवन बदल चुके हैं। फिर ये गोपियां क्या हैं? आखिर हैं तो स्त्रियां ही। प्रेम ने इनका मस्तिष्क दूषित कर दिया है। इनसे हार मानकर लौटना उचित नहीं। उद्धव ने एक बार फिर बात शुरू करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आपको श्रीकृष्ण के पास मथुरा कोई संदेश भेजना हो तो बताइए। इस पर राधा बोल पड़ीं- उद्धव जी हमारे हृदय प्रेम से भरे हैं। इसलिए हमें किसी संदेश या संदेशवाहक की आवश्यकता नहीं। प्रेम संदेश तो हृदय सुन लेता है। हम तो नित्य अपने मनमोहन को अपना संदेश सुनाती और उनका सुनती हैं। श्रीकृष्ण के प्रेम में गोपियां इस तरह डूबी हैं कि इन्हें संसार का ज्ञान ही नहीं रह गया। सांसारिक आचरण से यह ऊपर हो गई हैं। गोपियों के प्रेम के प्रति उद्धव के मन में आदरभाव पनप उठा। ज्ञान से बंजर हुए मस्तिष्क में प्रेम का अंकुर फूट पड़ा। ज्ञान की गूदड़ी में उन्हें प्रेम का हीरा मिल गया। उद्धव शांत हो गए। उन्हें लगा कि उन्होंने ज्ञानार्जन तो बहुत किया, लेकिन ज्ञानानुभव आज ही हुआ। उनका मन श्रद्धा से भर उठा। मस्तक वृंदावन की प्रेम भूमि पर नत हो गया।

नैतिकता से दूर दानव की राह...

नैतिक शिक्षा ही मानव को 'मानव' बनाती है क्योंकि नैतिक गुणों के बल पर ही मनुष्य वंदनीय बनता है। सारी दुनिया में नैतिकता अर्थात सच्चरित्रता के बल पर ही धन-दौलत, सुख और वैभव की नींव खड़ी है। प्रसंग बताता है कि 'इन्द्र ने ब्राह्मण का रूप धारण करके प्रह्लाद के पास जाकर पूछा- ''आपको तीन लोकों का राज्य कैसे मिला ?'' प्रह्लाद ने इसका कारण नैतिकता यानी शील को बताया। इन्द्र ने प्रह्लाद से वरदान में नैतिकता यानी शील को मांग लिया। शील के जाते ही धर्म, सत्य, सदाचार, बल, लक्ष्मी सभी चले गये।''भारत की नैतिकता इतनी ऊंची थी कि सारा संसार अपने चरित्र के अनुसार शिक्षा प्राप्त करे। ऐसी घोषणा यहां की जाती थी। नैतिकता के अंग हैं -सच बोलना, चोरी न करना, अहिंसा, दूसरों के प्रति उदारता, शिष्टता, विनम्रता, सुशीलता आदि। परन्तु आज ये शिक्षा ना तो बालक के माता-पिता, जिन्हें बालक की प्रथम पाठशाला कहा जाता है, ना ही विद्यालय दे पा रहा है। नैतिक शिक्षा के अभाव के कारण ही आज जगत में अनुशासनहीनता का बोल-बाला है। आज का छात्र कहां जानता है, बड़ों का आदर-सत्कार, छोटों से शिष्टता-प्यार, स्त्री जाति की सुरक्षा-सम्मान सत्कार। रही-सही कसर पूरी कर देता है हमारा फिल्मजगत और टेलिविजन प्रसारण। जो अश्लीलता की हर हदें पार कर चुका है और उसका मूल्य चुकाना पड़ता है समाज को, क्योंकि मनुष्य का स्वभाव है अनुकरण करना। वह अनुकरण से ही सीखता है।

सही सोच जरूरी

समाज में एक ज्वाला जली है हवस की। चारों तरफ, जहां पढ़ो, सुनो व देखने को मिलता है देश में महिलाओं के खिलाफ असामाजिक घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। दूसरी ओर यदि हम देखें तो साहित्य व सिनेमा जगत समाज का दर्पण होते हैं। जहां एक ओर वे गलत दिखाकर समाज को गलत राह पर ले जा रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर सही सोच, सही प्रदर्शन दिशा भ्रमित होने से बचा सकता है। इतिहास बताता है कि 'राजा जयसिंह अपनी नव विवाहिता के प्रेम प्यार में आबद्ध होकर राजकाज भूल गये थे। बिहारी कवि की एक श्रृंगारिक अन्योक्ति ने राजा को सचेत कर कर कर्तव्य पथ पर अग्रसर कर दिया- नहिं परागु नहिं मधुर मधु नहिं विकास इहिकाल। अलि कली ही सों बिंध्यौ, आगे कौन हवाल ।। इस दोहे ने राजा जयसिंह की आंखें खोल दी थी। यहां पूरे ही समाज का दायित्व हो जाता है कि हम अपने नैतिक मूल्यों का पुर्नस्थापन करें।

मार्ग को भूल गए

स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि भारत ही वह देश है जो जीवन के नैतिक मूल्यों के साथ अब तक पर्वत से भी अधिक दृढ़ भाव से खड़ा है। अफसोस! आज हम अपने पूर्वजों के दिखाए, बताये मार्ग को भूल गए हैं। पाश्चात्य सभ्यता, संस्कृति को अपनाते-अपनाते, ना तो हम खुद को ही पहचान पा रहे हैं, ना ही पाश्चात्य को। कुछ हम आजादी मिलने का अर्थ कुछ और ही ले रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर वहां की महिलाओं की स्थिति है। नारी राष्ट्रीय व सामाजिक जीवनामृत का केन्द्र है। जो राष्ट्र समाज में स्त्रियों का आदर नहीं करना चाहते व कभी महान बन ही नहीं पाएंगे। देश के वर्तमान पतन का मुख्य कारण यही है कि हमने शक्ति की इन सजीव प्रतिमाओं के प्रति आदरभाव नहीं रखा। स्त्रियों के प्रति घृणित दृष्टि निन्दनीय है। माँ के रूप में, बहन-बेटी के रूप में महिलाओं को सुरक्षा, सुविधा, स्नेह व दुलार देना समाज का कर्तव्य है। नैतिकता और सदाचार ही राष्ट्रीय जीवन का आधार है।

सही मार्गदर्शन मिलें

आज समाज में इन्हीं नैतिक मूल्यों की स्थापना की सबसे अधिक जरूरत है। प्रत्येक बच्चे को सही मार्गदर्शन मिले, यह उचित शिक्षा ही कर सकती है। नैतिकता का पाठ पढ़ाया नहीं जा सकता, वरन् उसे चरित्र में उतारना है। गीता को कंठ से गाना ही नहीं होता वरन् उसका अक्स अपने हृदय में बसाना होगा तभी यह देश स्त्रियों, मासूम बच्चियों का आदर, सुरक्षा का दर्जा दे पायेगा। वरना मानव दानव का रूप धर चुका है तथा उसका रूकना कठिन ही नहीं नामुमकिन हो जाएगा।

जॉब छोड़ने के पहले क्या करें...?

क्या आप अपनी मौजूदा कंपनी छोड़ कर किसी अन्य कंपनी में नौकरी करने की तैयारी कर रहे हैं? अगर ऐसा है, तो जॉब छोड़ने की प्रक्रिया के दौरान कुछ खास बातों का ख्याल रखना चाहिए, ताकि कोई समस्या पैदा न हो। अगर आप कंपनी छोड़ रहे हैं, तो नोटिस या इस्तीफा देने से पहले बोनस आदि के नुकसान के बारे में जानकारी जुटा लें। अगर पेपरवर्क सही नहीं होगा, तो वित्तीय नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। आपको कंपनी की अपेक्षाओं को समझने का प्रयास भी करना चाहिए।

बात पर कायम रहें: आपने अपनी पुरानी कंपनी से जो वायदा किया है, उसे निभाएं। आपकी पहचान आपके कमिटमेंट्स से होनी चाहिए। अगर आप किसी कंपनी को बीच में ही छोड़ते हैं, तो इससे कंपनी की योजनाओं पर नेगेटिव असर पड़ता है। सो, अपना प्रोजेक्ट पूरा करके ही कंपनी छोड़ें।

प्रोटोकॉल फॉलो करें: आपको कंपनी छोड़ने के बारे में एचआर या बॉस को सबसे पहले बताना चाहिए। ऐसा न हो कि दोस्तों और कलीग्स को इसके बारे में पहले पता लगे और बॉस को बाद में। अगर कंपनी के प्रति गुस्से को सबके सामने जाहिर करेंगे, तो गैर-पेशेवर माना जाएगा।

रेफरेंस तैयार करके जाएं: आपको आईटी, एचआर और बॉस को रेफरेंस, प्रूफ ऑफ सर्विस, सैलेरी सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट आदि के लिए तैयारी करनी चाहिए। कई बार नई कंपनी लिखित में रेफरेंस मांगती है या मौजूदा बॉस से बात करवाने के लिए कहती है। इसलिए आपको प्रोफेशनल तरीके से इसका प्रबंध पहले ही कर लेना चाहिए।

दरवाजे खुले रखें: ध्यान रखें कि अगर नई कंपनी में आपकी चाहत के मुताबिक नहीं हुआ तो आपको कुछ महीने या सालभर बाद वापस अपनी पुरानी कंपनी में लौटना पड़ सकता है। इसलिए कंपनी छोड़ते समय कोई भी गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए।

बात पते की: ज्यादातर लोग कंपनी छोड़ते वक्त सभी लोगों से मिल कर धन्यवाद कहना भूल जाते हैं। यह गलत असर डालता है। इसलिए सभी से मिल कर जाएं। इस्तीफा देने के बाद कई लोग कंपनी या बॉस के खिलाफ हर तरफ जहर उगलने लगते हैं। उनकी बुराई करने लगते हैं, यह गलती करने से बचें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**